Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Thursday, 15 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 119 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

लीक पर वे चलें, जिनके चरण दुर्बल और हारे हैं, हमें तो जो हमारी यात्रा से बने, ऐसे अनिर्मित पंथ प्यारे हैं।

–सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

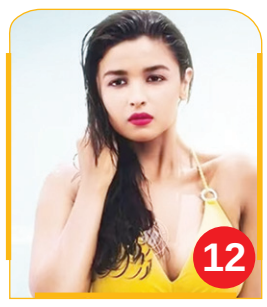

Alia Bhatt Pens Emotional...

SHARE

सेंसेक्स	:	75,364.69
निफ्टी	:	22,904.45

SARAFA

सोना	:	8,575
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

पाक ने बीएसएफ के जवान को किया भारत के हवाले

CHANDIGARH : लगभग 21 दिन बाद मंगलवार को बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स यानी सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान को पाकिस्तान ने भारतीय सेना के हवाले कर दिया। कई बार की फ्लैग मीटिंग के बाद आज पाकिस्तान ने बीएसएफ जवान को रिहा करने का फैसला लिया। पश्चिम बंगाल के रहने वाले जवान पूरनम कुमार शॉ 23 अप्रैल को भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गश्त के दौरान गलती से सीमा पार कर गए थे। यह घटना पंजाब के फिरोजपुर सेक्टर के पास हुई थी। वह बीएसएफ की 73वीं बटालियन में तैनात हैं। सीमा पार करते ही पाकिस्तानी रेंजर्स ने उन्हें हिरासत में ले लिया और पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले गए। जवान के लापता होने के तुरंत बाद बीएसएफ ने अपने समकक्ष पाकिस्तान रेंजर्स से संपर्क किया। तब इस बात की पुष्टि हुई कि जवान पाकिस्तान की हिरासत में है।

पानीपत में पाक का जासूस गिरफ्तार, पूछताछ जारी

PANIPAT : पानीपत पुलिस ने एक व्यक्ति को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह पाकिस्तान में एक आतंकी संगठन को यहां की सूचनाएं मुहैया करवाने का काम कर रहा था। पुलिस सूत्रों से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार पकड़े गए जासूस का नाम नौमान इलाही है। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कैराना का रहने वाला है। वह पाकिस्तान में किसी इकबाल नाम के आतंकी के संपर्क में था। पुलिस की जांच के मुताबिक नौमान पिछले काफी समय से पानीपत में अपनी बहन के पास रह रहा था। यहां रह कर वह देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा। यहां से वह पाकिस्तान में इकबाल नाम के आतंकी को देश की सभी बातों को वॉट्सऐप व अन्य सोशल मीडिया ऐप के जरिए पहुंचा रहा था।

13 महीने के निचले स्तर पर आई थोक महंगाई

NEW DELHI : अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.45 प्रतिशत कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए। रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई 0.76 प्रतिशत से घटकर -1.44 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई 4.66 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20 प्रतिशत से घटकर -2.18 प्रतिशत रही।

जस्टिस बीआर गवई ने भारत के 52वें सीजेआई के रूप में लिया ओथ

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने दिलाई पद और गोपनीयता की शपथ, जस्टिस खन्ना ने आगे बढ़ाया था नाम

गवई देश के दूसरे दलित और पहले बौद्ध चीफ जस्टिस, 2019 में सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में हुए थे प्रमोट

NEW DELHI @ PTI : बुधवार को जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई ने भारत के 52वें चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जस्टिस गवई को सीजेआई पद की शपथ दिलाई। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना का कार्यकाल 13 मई को खत्म हो चुका है। सीजेआई खन्ना के बाद वरिष्ठता सूची में जस्टिस गवई का नाम था। इसलिए जस्टिस खन्ना ने उनका नाम आगे बढ़ाया। जस्टिस गांवई का कार्यकाल सिर्फ 6 महीने का है। सीजेआई गवई देश के दूसरे दलित और पहले बौद्ध चीफ जस्टिस हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर दिए प्रोफाइल के मुताबिक, जस्टिस गवई 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में प्रमोट हुए थे। उनके रिटायरमेंट की तारीख 23 नवंबर 2025 है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कई केंद्रीय मंत्री भी मौजूद रहे।

मां बोलीं- मेहनत व सेवा का मिला फल

सीजेआई गवई की मां कमलताई ने कहा, मैंने हमेशा चाहा था कि मेरे बच्चे अपने पिता के रास्ते पर चलें और समाज की सेवा करें। भूषण ने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया और मेहनत से आज इस ऊंचे पद तक पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि सीजेआई ने एक साधारण स्कूल में पढ़ाई की और हमेशा जरूरतमंदों की मदद करते रहे हैं, चाहे वह आर्थिक सहायता हो या इलाज का खर्च।

1985 में शुरू किया कानूनी करियर

जस्टिस गवई का 24 नवंबर 1960 को महाराष्ट्र के अमरावती में जन्म हुआ था। उन्होंने 1985 में कानूनी करियर शुरू किया। 1987 में बॉम्बे हाईकोर्ट में स्वतंत्र प्रैक्टिस शुरू की। इससे पहले उन्होंने पूर्व एडवोकेट जनरल और हाईकोर्ट जज स्वर्गीय राजा एस भोंसले के साथ काम किया। 1987 से 1990 तक बॉम्बे हाईकोर्ट में वकालत की। अगस्त 1992 से जुलाई 1993 तक बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में सहायक सरकारी वकील और एडिशनल पब्लिक प्रॉसीक्यूटर के रूप में नियुक्त हुए। 14 नवंबर 2003 को बॉम्बे हाईकोर्ट के एडिशनल जज के रूप में प्रमोट हुए। 12 नवंबर 2005 को बॉम्बे हाईकोर्ट के परमानेंट जज बने।

जस्टिस गवई देश के दूसरे दलित और पहले बौद्ध सीजेआई हैं। उनसे पहले जस्टिस केजी बालाकृष्णन भारत के दलित मुख्य न्यायाधीश बने थे। जस्टिस बालाकृष्णन साल 2007 में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे।

पीएम मोदी ने की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी की मीटिंग

ऑपरेशन सिंदूर स्थगित होने पर सुरक्षा स्थिति की हुई चर्चा

NEW DELHI @ PTI : बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की एक बैठक की अध्यक्षता की। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति बनने के बाद यह सीसीएस की पहली बैठक है। ऐसी जानकारी है कि इस बैठक में 'ऑपरेशन सिंदूर' स्थगित होने के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री के साथ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। बैठक में वर्तमान स्थिति और भारत की तैयारियों पर चर्चा की गई। इसके बाद प्रधानमंत्री ने मंत्रिमंडल की बैठक की भी अध्यक्षता की। मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री की प्रशंसा किए जाने के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भारत के गौरव, सशस्त्र बलों की भूमिका और निर्णायक नेतृत्व के अलावा नये सिद्धांत का एक उदाहरण था। यह देश के लिए बहुत सराहनीय है।

भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने की सहमति के बाद पहली बैठक

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में मिला हथियारों का जखीरा, एके-47 और हैंड ग्रेनेड शामिल

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन जारी है। बुधवार को जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले के केलर में भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा बरामद हुआ है। इसमें एके-47 गन समेत कई तरह की बंदूकें, हैंड ग्रेनेड, हजारों की संख्या में गोलियां शामिल है। केलर में ही 13 मई को सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के तीन आतंकवादी मारे गए थे। शोपियां जिले के केलर स्थित शुकरू फॉरेस्ट एरिया में मंगलवार को शाम 4.30 बजे मुठभेड़ खत्म हुई थी। इसे ऑपरेशन को केलर नाम दिया गया था। मारे गए आतंकियों में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर शाहिद अहमद कुट्टी भी शामिल था।

भारत में तुर्किये-चीन के सरकारी चैनलों के 'एक्स' अकाउंट ब्लॉक

बुधवार को भारत सरकार ने बुधवार को तुर्किये के सरकारी चैनल टीआरटी वर्ल्ड और चीन के सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ के 'एक्स' अकाउंट ब्लॉक कर दिए हैं। इन पर भारत विरोधी प्रोपेगैंडा चलाने और सेना के बारे में गलत खबरें फैलाने का आरोप है। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद भी सुरक्षाबलों का ऑपरेशन लगातार जारी है। इधर, श्रीनगर एयरपोर्ट से हज यात्रियों का दूसरा जत्था सऊदी अरब के मक्का के लिए रवाना हुआ। श्रीनगर से हज यात्रियों का पहला जत्था 4 मई 2025 को रवाना हुआ था।

हाईकोर्ट के जज बार-बार ले रहे ब्रेक, परफॉर्मेंस का आकलन जरूरी : SC

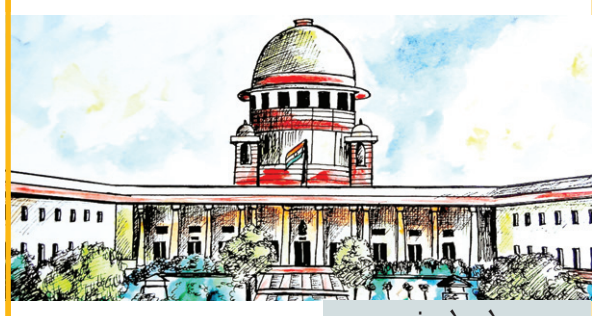

PHOTON NEWS RANCHI : हाईकोर्ट के जजों द्वारा अनावश्यक और बार-बार ब्रेक लेने का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा है। झारखंड से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटीश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को हाईकोर्ट के जजों के खिलाफ कई शिकायतें मिल रही हैं। पीठ ने अपनी टिप्पणी में कहा कि कुछ ही जज ऐसे हैं, जिनके काम पर हमें गर्व होता है, पर कुछ जज ऐसे भी हैं, जो हमें निराश कर रहे हैं। जजों की पीठ ने कहा कि कई जज ऐसे हैं, जो लगातार काम नहीं करते हैं। आमतौर पर चाय ब्रेक, कॉफी ब्रेक, इस ब्रेक, उस ब्रेक के लिए उठते हैं। जज केवल दोपहर के भोजन के लिए ब्रेक क्यों नहीं लेते। इससे वे बेहतर प्रदर्शन भी करेंगे और बेहतर परिणाम भी दे पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी झारखंड हाईकोर्ट के एक मामले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते समय की है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटीश्वर सिंह की पीठ ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वैसे जज जिनकी शिकायतें सुप्रीम कोर्ट तक आ रही हैं।

- झारखंड से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत की पीठ ने जताई चिंता
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मामलों को लटकाना ठीक नहीं
- हाईकोर्ट ने 2022 से सुरक्षित रखा था फैसला

सात जिला जजों के डिमोशन पर 'सुप्रीम' रोक

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के सात जिला जजों को डिमोट कर सब-जज बनाने की कार्रवाई पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी है। साथ ही इस मामले में राज्य सरकर को नोटिस कर अपना पक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने सात जिला जजों को सब-जज के रूप में डिमोट करने की अनुशंसा राज्य सरकार से की थी। इसकी सूचना प्रभावित होने वाले जिला जजों को भी दी गयी थी। इसके बाद जिला जज पुरुषोत्तम कुमार गोस्वामी सहित अन्य ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। इसमें उन्हें डिमोट करने की अनुशंसा को गलत बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एमएम सुंदरेश और न्यायाधीश राजेश बिंदल की पीठ में इस याचिका की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद न्यायालय ने प्रतिवादी को नोटस जारी करने का निर्देश दिया। साथ ही अगले आदेश तक जिला जजों को सब-जज के पद पर डिमोट करने की कार्रवाई पर रोक लगा दी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 और 2023 में सब-जज को जिला जज में प्रमोट किया गया था।

- राज्य सरकर को नोटिस देकर अपना पक्ष पेश करने का दिया निर्देश
- झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से की थी डिमोशन की अनुशंसा

संस्था की भारत में प्रतिनिधि सिन्थिया ने सीएम से की शिष्टाचार भेंट

यूनिसेफ को मदद करेगी सरकार : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से यूनाइटेड नेशंस चिल्ड्रेंस फंड (यूनिसेफ) की भारत में प्रतिनिधि सिन्थिया मैकेकेफरी ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में हुई इस मुलाकात के अवसर पर उन्होंने झारखंड में बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ की ओर से संचालित योजनाओं, कार्यों एवं गतिविधियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। यूनिसेफ प्रतिनिधि ने बाल अधिकारों के संरक्षण, शिक्षा ,स्वास्थ्य और उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए बेहतर माहौल बनाने के लिए राज्य सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने यूनिसेफ के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

बच्चों में कुपोषण और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याएं दूर करने के लिए हो रहा काम

हमारी सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे राज्य के बच्चे हर क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ें, इसके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। जब तक बच्चे स्वस्थ और सुरक्षित नहीं रहेंगे, तब तक उनके विकास की बात नहीं हो सकती है। यही वजह है कि हमारी सरकार बच्चों में कुपोषण और कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है।

बेहतर जीवन देने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ को सरकार की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा। सभी के सहयोग से इस राज्य के बच्चों को बेहतर जीवन देने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर यूनिसेफ, झारखंड की प्रमुख कनिका मित्रा और कम्युनिकेशन स्पेशलिस्ट आस्था अलंग भी मौजूद थीं।

मणिपुर में सुरक्षा बलों के हत्थे चढ़े 16 उग्रवादी व तीन हथियार तस्कर

IMPHAL : बुधवार को मणिपुर में सुरक्षा बलों के सघन तलाशी अभियान के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठनों के 16 कैडर और तीन हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने सुबह बताया कि इन सभी को थौबल, बिष्णुपुर, इंफाल ईस्ट और तेंगनौपाल जिलों में पकड़ा गया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, तेंगनौपाल जिले के योंगखुल गांव के पास सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें पीएलए के चार, केसीपी के दो और केवाईकेएल का एक कैडर शामिल हैं। इनकी पहचान लूरेम्बम मनोरंजन, चिंगंगबम संतोष, सोरम गुम्बा उर्फ तोनबा, नगसेपम मोमोन उर्फ लुहेनबा (पीएलए), लैफरकपम धनंजय सिंह, कोनसाम मनीचंद्र (केसीपी), और लैश्रम रोजित (केवाईकेएल) के रूप में हुई है। इसके अलावा थौबल जिले में केसीपी (पीडब्ल्यूजी) से जुड़े हुइड्रोम जीबन (45) को लिलोंग नुंगेई से गिरफ्तार किया गया।

- सघन तलाशी अभियान के दौरान 5 जिलों से हुई है इनकी गिरफ्तारी
- आम जनता को धमकाकर वसूली करता था पीडब्ल्यूजी से जुड़ा हुइड्रोम जीबन

बड़ी तैयारी नई टेक्नोलॉजी से दुश्मनों का सामना करने का कारगर प्लान

जवानों के जोखिम कम करने के लिए भारत बना रहा स्पेशल रोबोट

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : 22 अप्रैल को आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था। 26 निर्दोष पर्यटकों को की जान ले ली गई थी। उसके बाद पूरी तैयारी के साथ इंडियन आर्मी ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। सौ आतंकी मार डाले गए। यह इंडियन डिफेंस सिस्टम की उच्चतम तकनीक का परिणाम था। पूरी दुनिया के सामने भारत ने साबित कर लिया की प्रतिरक्षा क्षेत्र में भारत नवीनतम तकनीक को डेवलप कर चुका है और लगातार इसे आगे बढ़ाने की ओर कदम सक्रिय हैं। देश के रोबोटिक साइंस ने जवानों के जोखिम कम करने के लिए एक नए मानव रोबोट का निर्माण शुरू किया है, जो भविष्य की सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगा। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन यानी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक सैन्य अभियानों के लिए विशेष मानव रोबोट बनाने पर काम रहे हैं। भविष्य में सैनिकों की सुरक्षा की दृष्टि से मानव रोबोट काफी कारगर साबित होगा।

लक्ष्य को अंजाम तक पहुंचाने को लंबे समय से मेहनत कर रही डीआरडीओ की टीम

भविष्य में सैनिकों की सुरक्षा की दृष्टि से अभेद्य कवच के निर्माण की प्रक्रिया जारी

- सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी फॉर एडवांस्ड रोबोटिक्स सेंटर निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका
- रोबोट के ऊपरी और निचले हिस्से के लिए विकसित किए गए अलग-अलग प्रोटोटाइप

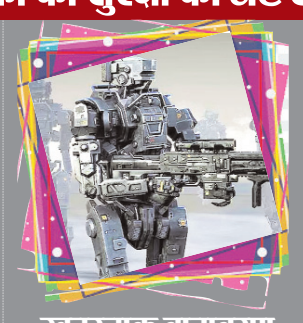

खतरनाक वातावरण में भी सुरक्षा, सैनिकों की जगह लेगा रोबोट

- हर परिस्थिति को मजबूती से फेस करने के लिए कहीं भी हो सकेगी तैनाती
- सीधे इंसानों के आदेश के तहत जटिल से जटिल काम को अंजाम देंगे रोबोट

डाटा प्रोसेसिंग व जमीनी स्तर का काम

तलोले ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह सुनिश्चित करना है कि रोबोट कार्यों को सुचारू रूप से कर सके, जिसके लिए संतुलन, तेजी से डाटा प्रोसेसिंग और जमीनी स्तर पर कार्य में महारत हासिल करना आवश्यक है। गौरतलब है कि इस तरह का रोबोट भारतीय सेना के लिए आने वाले समय में गेमचेंजर साबित हो सकता है। इससे न केवल सैनिकों की सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि तकनीक के मोर्चे पर भारत की आत्मनिर्भरता को भी ताकत मिलेगी।

भ्रष्टाचार : सीबीआई की टीम ने की कार्रवाई

सीसीएल का सेफ्टी ऑफिसर ₹10000 घूस लेते गिरफ्तार

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की टीम ने 10 हजार रुपये घूस लेते सीसीएल के सेफ्टी ऑफिसर राजेंद्र प्रसाद को रंगे हाथ अरेस्ट कर लिया। वह सीसीएल के सिरका कोलियरी में पदस्थापित है। कोलियरी के जगदीश प्रसाद नाम के कर्मचारी ने सीबीआई को लिखित शिकायत की थी। इसमें सेफ्टी ऑफिसर पर यह आरोप लगाया गया था कि वह जगदीश को उस पर लगे आरोपों से मुक्त करने के लिए घूस मांग रहा है। सीबीआई ने शिकायत की जांच की और सही पाया। इसके बाद सेफ्टी ऑफिसर को घूस लेते गिरफ्तार करने के उद्देश्य से सीबीआई टीम का गठन किया गया। टीम ने सेफ्टी ऑफिसर को घूस लेते हुए रंगे हाथ गिरफ़्तार कर लिया। इसके बाद सीबीआई अधिकारियों ने उसके घर की तलाशी शुरू की।

- घर की ली गई तलाशी सिरका कोलियरी में पदस्थापित है राजेंद्र प्रसाद
- कोलियरी के जगदीश प्रसाद नाम के कर्मचारी ने की थी लिखित शिकायत

गिरिडीह में तीन सड़क हादसों में चार की हुई मौत

पुराना ब्लॉक ऑफिस, ताराटांड़ व मधुबन थाना क्षेत्र में हुई दुर्घटना

PHOTON NEWS GIRIDIH : गिरिडीह जिले में अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। एक हादसे में डोर स्टेप डिलीवरी वाहन पलट गया, जबकि दूसरे हादसे में एक छात्र को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। वहीं एक वृद्ध की चाय की दुकान से लौटते समय दुर्घटना में मौत हो गई।

पहला हादसा गिरिडीह के पुराने ब्लॉक स्थित जेएसएफसी गोदाम से जुड़ा है। यहां से सरकारी अनाज को पीडीएस डीलर तक पहुंचाने के लिए एक डोर स्टेप डिलीवरी वाहन निकला था। यह वाहन मरांगबुरु स्थित स्वयं सहायता समूह और लखीराम हेंब्रम डीलर को अनाज सुपुर्द कर लौट रहा था। लौटते समय जीतकुंडी के पास वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान खैरागढ़ा निवासी जयलाल महतो और जामतारा निवासी असगर अंसारी के रूप में हुई है। एक अन्य व्यक्ति को हल्की चोटें आई हैं।

पुलिस जांच जारी, स्थानीय लोगों में आक्रोश

तीनों घटनाओं के बाद संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। डोर स्टेप डिलीवरी वाहन पलटने की जांच की जा रही है कि हादसा तकनीकी खामी के कारण हुआ या लापरवाही के चलते। वहीं, छात्र और वृद्ध की मौत के मामलों में अज्ञात वाहनों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

दूसरा हादसा ताराटांड़ थाना क्षेत्र में हुआ। यहां झरहा निवासी निलेश नामक युवक को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। निलेश, शिबू सोरेन इंटर कॉलेज का छात्र था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

तीसरी घटना मधुबन थाना क्षेत्र की है। मंगरगड़ी निवासी 70 वर्षीय सोनाराम महतो को एक तेज रफ्तार वाहन ने पीछे से टक्कर मार दी। उस समय वह चाय पीकर अपने घर लौट रहे थे। हादसे के बाद उन्हें डुमरी रेफरल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और मुआवजे की मांग करने लगे।

रोड एक्सीडेंट में पिता-पुत्र घायल, बेटे की गई जान

PALAMU : पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के जुड़वा कला गांव निवासी केदार भुइयां का पुत्र कुंदन कुमार (12) वर्ष की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पिता केदार भुइयां (45) गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की रात करीब आठ बजे केदार भुइयां और पुत्र कुंदन भुइयां डालटनगंज से टेंपो पर सवार होकर घर जा रहे थे। इसी बीच रास्ते में नौडीहा गांव में टेंपो से उतर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे ईंट लदे ट्रैक्टर ने दोनों पिता पुत्र को टक्कर मार दी। ट्रैक्टर के धक्के से पुत्र कुंदन भुइयां की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पिता केदार भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पाटन थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। घायल केदार भुइयां को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा। इलाज के बाद भी केदार भुइयां की हालत में गंभीर बनी हुई। इधर बुधवार दोपहर एक बजे कुंदन भुइयां के शव का पोस्टमार्टम किया गया और शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर बैठे परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

तिलैया डैम में गिरी कार, एक का मिला शव

PHOTON NEWS KODERMA : कोडरमा जिले के सीमा पर स्थित जवाहर घाट में बुधवार सुबह एक बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त होकर जवाहर पुल के नीचे तिलैया डैम में जा गिरी। इसमें दो लोगों के मौत होने की सूचना है, जिसमें एक व्यक्ति का शव बरामद हो चुका है जबकि दूसरे के शव की तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार राहुल सोनकर नामक व्यक्ति जो फल विक्रेता है, अपने मित्र आशीष और अपने मुंशी सौरव तथा ड्राइवर संदीप के साथ बीती रात कोडरमा से बरही एक शादी समारोह में शरीक होने के लिए गए हुए थे। बुधवार की अहले सुबह सभी वापस अपने घर झुमरीतिलैया लौट रहे थे। इसी बीच जवाहर घाटी में तिलैया डैम पर बने पुल पर उनकी बोलेरो गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी देते हुए सौरव शर्मा के मित्र ने बताया कि जिस जगह पर यह घटना घटी है। उसी जगह पर बीती रात एक ट्रक भी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। जब ये लोग बरही से लौट रहे थे तो उस ट्रक के पास इन्हें एक बड़ी गाड़ी ने चकमा दे दिया। जिससे इनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और डैम में जा गिरी। जिसमें दो लोग सौरव और संदीप किसी प्रकार से बोलेरो से बाहर निकलकर पानी से बाहर आए, वहीं राहुल और आशीष की बोलेरो के अंदर ही मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि ये दोनों किसी प्रकार से ऑटो पकड़कर सदर अस्पताल कोडरमा पहुंचे। जहां संदीप का प्रारंभिक उपचार करने पश्चात उसे घर भेज दिया गया। वहीं सौरव का ईलाज जारी है। इधर जिस ट्रक की उक्त जगह पर दुर्घटना हुई थी, उसके चालक के मुताबिक बोलेरो काफी तेज रफ्तार में बरही की ओर से आ रही थी। बोलेरो की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि जवाहर घाटी में बने पुल पर लगे दो रेलिंग को तोड़ते हुए गाड़ी डैम में जा गिरी। उक्त चालक ने बताया कि उसमें से दो लोग डैम से बाहर आए और एक ऑटो पर बैठकर झुमरीतिलैया की ओर भागे। इधर घटना की सूचना पाकर बरही के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और बरही थाना प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और क्रेन मंगवाकर डैम में डूबे बोलेरो को बाहर निकलवाया। वहीं डैम से राहुल सोनकर का शव भी बरामद किया गया। इधर राहुल का एक अन्य साथी आशीष का शव अभी डैम में ही होने की बात कही जा रही है जिसकी तलाश जारी है।

कार को निकालती हाइड्रा मशीन

कोडरमा सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ. विकास गौरव ने बताया कि सौरव की हालत नाजुक है, इसलिए उसे रांची के रिम्स रेफर किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सौरव को सुबह उसके एक मित्र ने घायल अवस्था में सदर अस्पताल में भर्ती कराया था।

BRIEF NEWS

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर तिरंगा यात्रा कल

CHAIBASA : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर चाईबासा में 16 मई को सेना के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसे लेकर बुधवार को भाजपा के जिला कार्यालय में बैठक हुई, जिसमें प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी सह राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा, जिला चुनाव प्रभारी अशोक सिंह तथा तिरंगा यात्रा के प्रदेश टोली सदस्य अभय सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद व जिला अध्यक्ष संजय पांडे भी थे।

बिजली संकट को लेकर दूसरे दिन भी धरना-प्रदर्शन

PALAMU : पलामू जिले के पांकी प्रखंड में बिजली आपूर्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो चुकी है। अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण आम लोगों को पीने के पानी, सिंचाई, पढ़ाई और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर बिजली के पोल और तार इतने जर्जर हो चुके हैं कि वे कभी भी जानलेवा हादसों को न्योता दे सकते हैं। इन समस्याओं के खिलाफ भाकपा (माले) प्रखंड कमेटी और पांकी मध्य क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य खुशबू कुमारी के नेतृत्व में बुधवार को दूसरे दिन भी ग्रामीणों एवं छात्रों ने बिजली विभाग कार्यालय के समक्ष धरना दिया। अध्यक्षता राजकुमार सिंह ने की और संचालन भाकपा (माले) के प्रखंड सचिव महेंद्र राम ने किया। धरना को पूर्वी जिला परिषद प्रतिनिधि मुकेश सिंह चंदेल, मुखिया नेहाल, नौडीहा के समाजसेवी इकबाल अंसारी सहित पांकी के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों एवं आइसा के छात्रों का समर्थन मिला। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में लाइनमैन नहीं होने के कारण मरम्मत कार्यों में भारी देरी होती है।

स्कूल में 99 छात्रों की हुई फ्लोरोसिस जांच

RAMGARH : राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बुधवार को रामगढ़ जिले के महात्मा गांधी हाई स्कूल भुरकुंडा में जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 99 छात्रों की फ्लोरोसिस जांच की गई। सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद और जिला नोडल पदाधिकारी राष्ट्रीय फ्लोरोसिस नियंत्रण कार्यक्रम डॉ० तुलिका रानी की ओर से संयुक्त नेतृत्व में विद्यालय के पानी के सैंपल में भी फ्लोराईड की जांच की गयी। डिस्ट्रिक्ट कंसल्टेंट डॉ पल्लवी कौशल के द्वारा 99 बच्चे की जांच की गई। कुल 19 बच्चों में जांच के बाद लक्षण पाए जाने पर उनके पेशाब का सैंपल लिए गए। लैब टेक्नीशियन जीतेन्द्र कुमार ने जांच के बाद नौ बच्चों में इस बीमारी की पुष्टि की।

नशा उन्मूलन बना सामाजिक आंदोलन गांव-गांव में चल रही जागरूकता मुहिम

पुलिस प्रशासन भी कर रही है कड़ी कार्रवाई, अब तक 10 की हुई गिरफ्तारी

PHOTON NEWS LATEHAR : जिला प्रशासन द्वारा नशे के विरुद्ध चलाया जा रहा विशेष अभियान अब केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित न रहकर एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले चुका है। अफीम और अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ इस मुहिम को जनता का भरपूर सहयोग मिल रहा है, जिससे यह अभियान और भी प्रभावशाली हो उठा है।

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने इस मुहिम को जन-जन की जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि नशा केवल युवाओं का भविष्य ही नहीं छीनता, बल्कि सामाजिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि अफीम व अन्य नशीले पदार्थों की खेती, भंडारण और अवैध कारोबार पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है।

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता

प्रशासन के अनुसार पुलिस, उत्पाद एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त प्रयास से अब तक कई गांवों में छापेमारी की गई है, जहां संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई गई है। कार्रवाई के तहत अब तक 10 लोगों की गिरफ्तारी भी की जा चुकी है। नशे के विरुद्ध जनजागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, पंचायत भवनों व सामुदायिक केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में युवाओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी जा रही है और उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उपायुक्त ने अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के सभी जिम्मेदार नागरिकों से अपील की है कि वे बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध जानकारी की सूचना प्रशासन को तुरंत बताएं।

याद किए गए अमर बलिदानी बैकुंठ शुक्ल

JAMSHEDPUR : नमन परिवार द्वारा इस वर्ष भी अमर बलिदानी, मां भारती के वीर सपूत बैकुंठ शुक्ल की पुण्यतिथि मनाई गई, जिसमें महिलाओं, युवाओं सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया। वरिष्ठ पत्रकार बृजभूषण सिंह ने कहा कि बैकुंठ शुक्ल का जीवन देशभक्ति, साहस और आत्मबलिदान की एक अनुपम मिसाल है। रामकेवल मिश्रा ने कहा कि जिस प्रकार बैकुंठ शुक्ल ने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, वैसी ही निष्ठा हमें अपने कर्तव्यों में दिखानी चाहिए। उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। कार्यक्रम में जसवंत सिंह भोमा, जंबू अखाड़ा के बंटी सिंह, भाजपा, जमशेदपुर महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष राजपति देवी, पूर्व अध्यक्ष नीरु सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने बैकुंठ शुक्ल के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान एवं उनकी देशभक्ति पर प्रकाश डाला।

माधुरी के जन्मदिन पर तीन जोड़ों का हुआ सामूहिक विवाह

साकची में माधुरी दीक्षित के जन्मदिन पर शिवचर्चा करतीं महिलाएं

JAMSHEDPUR : धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित के जन्मदिन पर बुधवार को तीन जोड़ों का सामूहिक विवाह हुआ। पप्पू सरदार ने माधुरी के जन्मदिन पर दो दिवसीय आयोजन किया है। इसके तहत पहले दिन साकची हंडी लाईन स्थित मनोहर चाट दुकान में बुधवार शाम 4 बजे से माधुरी की लंबी उम्र के लिए पं. संतोष कुमार त्रिपाठी ने पूजा-अर्चना की। शाम 6 बजे से डॉली एंड रीता ग्रुप की महिलाओं ने शिव चर्चा की। रात 10 बजे जरूरतमंद तीन जोड़ों का विवाह हुआ, जिसमें सुलेखा प्रमाणिक संग खाकन मद्रिना, रेखा कुमारी संग नवीन डे और सुमिता तंतुबाई संग नयन तंतुबाई ने एक-दूसरे का हाथ थामा। इस दौरान तीनों जोड़ों के परिजनों समेत कई गणमान्य उपस्थित थे। विवाह के बाद रात 12 बजे तीनों जोड़ों ने केक काट कर माधुरी दीक्षित का जन्मदिन मनाया। पप्पू सरदार ने तीनों जोड़ों को घर-गृहस्थी में रोजाना प्रयोग में आने वाली कई सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की।

दस दिनों से केमिकल नहीं पैथोलॉजी की कई जांच बंद

DHANBAD : शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पैथोलॉजी विभाग में 10 दिनों से केमिकल नहीं है। इस वजह से मरीजों के कई ब्लड सैंपल की जांच नहीं हो पा रही है। विभिन्न ब्लड की जांच अलग-अलग केमिकल से की जाती है। इधर जांच नहीं होने के कारण बुधवार को मरीजों ने पैथोलॉजी विभाग के बाहर हंगामा किया। बलियापुर से आए किशोर महतो ने बताया कि ब्लड जांच के लिए यहां पर कोई व्यवस्था नहीं है। केंद्र पर बताया गया कि यहां पर कई जांच नहीं हो रहे हैं। बाहर से जांच करने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे में गरीब मरीज बाहर में जाकर इलाज कैसे करेंगे। इसकी शिकायत कई मरीज ने मेडिकल कॉलेज के जरिए अधिकारियों को की है।

सैंपल के लिए भटक रहे मरीज

ओपीडी में हर दिन 1200 से 1300 मरीज का इलाज हो रहा है। इसमें लगभग डेढ़ सौ मरीजों को विभिन्न प्रकार के पैथोलॉजी और रेडियोलॉजी जांच के लिए डॉक्टर लिख रहे हैं। लेकिन पैथोलॉजी विभाग में पूरी सेवा नहीं होने के कारण मरीजों को परेशानी हो रही है। यहां पर कोलेस्ट्रॉल, किडनी प्रोफाइल, यूरिक एसिड, समेत कई जांच बाधित हो गए हैं।

हमेशा रहती है केमिकल की कमी

मेडिकल कॉलेज में टेंडर के माध्यम से एजेंसी केमिकल की आपूर्ति करती है, लेकिन हमेशा केमिकल की कमी हो जाती है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. दिनेश कुमार गिंदौरिया ने बताया कि समस्या जल्द दूर कर ली जाएगी, सभी मरीजों की जांच होगी।

आईजी अखिलेश झा ने नक्सल विरोधी अभियान में दिए निर्देश

CHAIBASA : पुलिस महानिरीक्षक, दक्षिणी छोटानागपुर प्रक्षेत्र-रांची अखिलेश झा ने मंगलवार को पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत सारंडा का दौरा किया था, जिसमें उन्होंने नक्सल विरोधी अभियान पर दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान आईजी ने सारंडा वन क्षेत्र में विभिन्न कैंपों व थानों का भ्रमण किया। छोटानागरा थाना अंतर्गत सीआरपीएफ कैंप में रात्रि विश्राम किया। इसके बाद आईजी बुधवार को जिला मुख्यालय चाईबासा में समीक्षा बैठक कर रांची लौट गए। बैठक में कोल्हान के डीआईजी मनोज रतन चौथे, पश्चिमी सिंहभूम के एसपी आशुतोष शेखर, एएसपी अभियान पारस राणा, अपर पुलिस अधीक्षक, चतरा (प्रतिनियुक्ति पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा) ऋत्विक श्रीवास्तव सहित सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तथा पुलिस निरीक्षक उपस्थित थे।

सड़क जाम कर रहे लोगों पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

AGENCY LATEHAR : जिले के हेरहंज थाना क्षेत्र निवासी सुखन प्रसाद (55) की मौत बुधवार की सुबह संदिग्ध अवस्था में हो गई। मृतक सुखन प्रसाद के परिजनों का आरोप है कि दो दिन पूर्व लातेहार पुलिस के जरिये बिना किसी कसूर के उनकी पिटाई कर दी गई थी । इससे यह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लातेहार पुलिस की पिटाई के कारण उनकी मौत हुई है। इस घटना के विरोध में ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग 39 को लगभग एक घंटे तक जाम रखा। बाद में जाम हटाने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करनी पड़ी । परिजनों ने बताया कि उनके गांव में जमीन विवाद का एक मामला चल रहा था। रविवार की रात लगभग 11 बजे पुलिस गांव में पहुंची और पंकज प्रसाद तथा दो अन्य ग्रामीणों के घर में घुसकर घर में उपस्थित लोगों के साथ जमकर मारपीट की थी। सुखन प्रसाद भी अपने दामाद पंकज प्रसाद के घर आए हुए थे। पुलिस ने उनकी भी पिटाई कर दी थी । इससे सुखन प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बुधवार को अचानक उनकी मौत हो गई। घटना के विरोध में स्थानीय ग्रामीणों ने लातेहार जिला मुख्यालय में रांची डालटेनगंज मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम जाम स्तर पर पहुंची और लोगों को समझने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीण इस बात पर अड़े हुए थे कि दोषी पुलिसकर्मियों पर तत्काल कार्रवाई की जाए। डीएसपी के जरिये ग्रामीणों को यह आश्वासन दिया जा रहा था कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

भीड़ को समझाते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

बोकारो में लू लगने से मजदूर की मौत

BERMO : बेरमो अनुमंडल के बोकारो थर्मल स्थित थाना के समीप स्थित महावीर मंदिर के समक्ष बुधवार को लू लगने से मजदूर की मौत हो गई। मौत के बाद उसका शव लावारिस हालत में मंदिर के सामने धूप में पड़ा था। मृतक मजदूर की पहचान यूपी निवासी पच्चू लाल के रुप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि उक्त मजदूर बुधवार को तेज धूप एवं गर्मी से बचने को लेकर महावीर मंदिर की सीढ़ियों पर आकर दोपहर करीब 11.30 बजे बैठा था। गर्मी एवं तेज धूप की बेचैनी को लेकर उसने अपने जूते उतार दिए। कुछ देर के बाद वह सीढ़ियों से नीचे लुढ़ककर गिर गया। मंदिर में पूजा करने आए लोगों एवं आसपास के लोगों ने समझा कि उसने शराब पी रखी है और नशे में ही गिर गया है, जिसके कारण किसी ने भी उसकी सुध नहीं ली। दोपहर लगभग एक बजे मंदिर के पुजारी ने इसकी सूचना सच्चिदानंद यादव को दी।

मंदिर के बाहर पड़ा शव

उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव के निर्देश पर अवर निरीक्षक भागीरथ शर्मा व राजेंद्र प्रमाणिक ने आकर जांच की तो पाया कि उसकी मौत हो गयी है। पुलिस पदाधिकारी उसे ऑटो से डीवीसी हॉस्पिटल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में उक्त लावारिस मजदूर की शिनाख्त डीवीसी के बी-पावर प्लांट के स्क्रैप कटिंग का कार्य करने वाली कंपनी राधा स्मेल्टर्स के उप-संवेदक इकबाल के मजदूर पच्चू लाल के रूप में की गई, जो यूपी का रहने वाला था। संवेदक का कहना था कि यह मजदूर पिछले तीन दिन से पावर प्लांट की कटिंग के कार्य में ड्यूटी पर नहीं आ रहा था। बुधवार को सूचना मिलने पर उनलोगों ने हॉस्पिटल जाकर मजदूर के शव की शिनाख्त की। संभावना व्यक्त की जा रही है कि मजदूर की मौत लू लगने से हो गई।

डीवीसी के सप्लाई मजदूर की मौत

BERMO : बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी पावर प्लांट के सप्लाई मजदूर 56 वर्षीय कृष्णा गोपाल की मौत बुधवार को हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि केसी कंस्ट्रक्सन में कार्यरत उक्त सप्लाई मजदूर की तबीयत बुधवार की सुबह अचानक से बिगड़ गई। उसके परिजन तत्काल उसे डीवीसी के स्थानीय हॉस्पिटल ले गए, लेकिन .हॉस्पिटल पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने जांचोपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। उक्त मजदूर का कुछ माह पूर्व ही विभागीय तबादला करते हुए भू-संपदा विभाग से डीवीसी मिडल स्कूल किया गया था। मृतक मजदूर दिल का मरीज था। वह अपने पीछे पत्नी के अलावा दो पुत्री छोड़ गया है। बुधवार को ही मजदूर का अंतिम संस्कार स्थानीय कोनार नदी घाट पर कर दिया गया।

मुखी समाज का किया गया विस्तार

JAMSHEDPUR : धतकीडीह स्थित मेडिकल बस्ती के मुखी समाज भवन में बुधवार को बैठक हुई, जिसमें मुखी समाज का विस्तार किया गया। इसमें महिला जिलाध्यक्ष सुनीता मुखी, युवा जिलाध्यक्ष विकास मुखी, महासचिव त्रिनाथ मुखी, केंद्रीय सचिव नितिन मुखी व कमलेश मुखी और सह मीडिया प्रभारी अरविंद मुखी को बनाया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष भास्कर मुखी ने की, जबकि संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष शंभू मुखी डूंगरी व धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश प्रवक्ता बिट्टू मुखी ने किया। इस दौरान केंद्रीय सदस्य परमेश्वर मुखी, शियम करुवा, कुंदन मुखी, सूरज करुवा, सोना मुखी, नरेश मुखी, मोना मुखी, राजू मुखी, महादेव, संदीप आदि भी उपस्थित थे।

सुसाइड प्रिवेंशन सेंटर की अभिभावकों से अपील- बच्चों पर दबाव नहीं, सहयोग दें

करियर से जुड़े तनाव को कम करने की पहल

PHOTON NEWS JSR : जैसे-जैसे कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले की प्रक्रिया तेज हो रही है, वैसे ही छात्रों और अभिभावकों पर मानसिक दबाव भी बढ़ता जा रहा है। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए 'जीवन सुसाइड प्रिवेंशन सेंटर' ने अभिभावकों से अपील की है कि वह बच्चों पर किसी प्रकार का दबाव न बनाएं।

यह पहल खासतौर पर उन छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए है, जो कॅरियर को लेकर असमंजस, कॉलेज चयन में भ्रम, या अत्यधिक अपेक्षाओं के कारण मानसिक दबाव में हैं। संस्था का मानना है कि अगर सही समय पर मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग मिले, तो छात्र न केवल बेहतर निर्णय ले सकते हैं, बल्कि आत्महत्या जैसे खतरनाक कदमों से भी बच सकते हैं।

बिष्टुपुर स्थित 'जीवन' का कार्यालय ● फोटोन न्यूज

जीवन के अनुसार, हर साल दाखिले के समय हम देखते हैं कि कई छात्र मानसिक रूप से टूट जाते हैं। हमें समझना होगा कि हर छात्र की क्षमता अलग होती है। हम इसी सोच के साथ काम कर रहे हैं कि दबाव नहीं, सहयोग दें। केंद्र ने यह भी स्पष्ट किया है कि अभिभावकों की भूमिका सिर्फ दाखिले की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें बच्चों की भावनाओं और असमंजस को समझने की भी जरूरत है। ज्यादा अंक लाने या प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश दिलाने का सामाजिक दबाव, कई बार अवसाद और आत्महत्या की स्थिति तक पहुंचा देता है। इस संदर्भ में, संस्था द्वारा स्कूलों, कॉलेजों और समुदाय स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

'जीवन का यह कदम दशार्ता है कि समस्या सिर्फ छात्र की नहीं, बल्कि समाज की भी है, जो प्रतिस्पर्धा, तुलना और प्रदर्शन के बोझ से बच्चों को दबा देता है। संस्था का प्रयास है कि मानसिक स्वास्थ्य को मुख्यधारा की चर्चा का हिस्सा बनाया जाए और हर छात्र को यह भरोसा दिलाया जाए कि उसका जीवन अनमोल है।

तनाव की स्थिति में जीवन के फोन 9297777499 या 9297777500 पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, व्यक्ति 25, क्यू रोड, बिष्टुपुर स्थित जीवन केंद्र में आमने-सामने परामर्श कर सकते हैं। जीवन, जो आत्महत्या की रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य सहायता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है, वर्षों से वह संकटग्रस्त व्यक्तियों तक पहुंच रहा है।

BRIEF NEWS

श्री-श्री यूनिवर्सिटी में इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचर इंटेलिजेंस एंड इनोवेशन की स्थापना

RANCHI : श्री-श्री रविशंकर के पावन जन्मदिवस पर ओडिशा के कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय ने श्री श्री इंस्टीट्यूट ऑफ फ्यूचर इंटेलिजेंस एंड इनोवेशन की स्थापना की घोषणा की। इसका उद्घाटन समारोह बेंगलुरु के आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित हुआ। यह संस्थान नैतिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल परिवर्तन, सृजनात्मक नवाचार और भविष्य के नेतृत्व के लिए रूपांतकारी शिक्षा व अनुसंधान को समर्पित होगा। इसका उद्देश्य भावी नेतृत्वकताओं को तकनीकी कौशल के साथ-साथ स्पष्टता, करुणा और उद्देश्य की भावना से तैयार करना है। श्री श्री विश्वविद्यालय की टीम ने उद्घाटन समारोह में कहा कि तकनीक मानवता की सेवा में होनी चाहिए, न कि मानवता तकनीक की। संस्थान में भविष्योन्मुख डिग्री कार्यक्रम, उन्नत अनुसंधान प्रयोगशालाएं, स्टार्ट-अप इनक्यूबेटर और वैश्विक संस्थानों के साथ सहयोग की व्यवस्था होगी। साथ ही यह मंच सामाजिक संवाद और समावेशी पहलों के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करेगा।

एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने 10वीं-12वीं में किया शानदार प्रदर्शन

RANCHI : एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने इस वर्ष के सीबीएसई 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। स्कूल का परिणाम शत प्रतिशत रहा। दसवीं के सुकून शौर्य ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर का खिताब हासिल किया है, वही आयुष रंजन ने 90 प्रतिशत और अभिषेक कुमार ने 89.8 प्रतिशत लाकर द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य शादान आलम, निदेशक कुणाल कश्यप और सचिव अनुज हेंब्रम ने बच्चों के इस शानदार प्रदर्शन पर खुशी जताई और उन्हें बधाई दी। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। वहीं 12वीं साइंस स्ट्रीम में अभिज्ञ कुमार 95 प्रतिशत, प्राची सिंह 94 प्रतिशत और स्वर कुमार 90 प्रतिशत मिले हैं। वहीं 12वीं कॉमर्स स्ट्रीम में उज्जवल पोद्दार 86.2 प्रतिशत, सौम्या कुमारी 83 प्रतिशत और ऋषि राज सिंह 75.4 प्रतिशत नंबर हासिल किया है।

हेसल में कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा शुरू

RANCHI : पिस्का मोड़ स्थित हेसल जतरा मैदान नॉर्थ के निकट श्री हेसल हनुमान मंदिर के सामने गली नंबर 3 में श्री श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं और महिलाओं की भागीदारी से धार्मिक वातावरण गूंज उठा। कथा का आयोजन 14 से 21 मई तक होगा, जिसमें सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य अतुल द्विवेदी जी श्री मद भागवत कथा का पाठ करेंगे। कार्यक्रम आयोजक संजीव कुमार सिंह (चुन्नू सिंह) ने बताया कि यह आयोजन वैश्विक शांति और सामाजिक सौहार्द के उद्देश्य से किया गया है। कार्यक्रम में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक प्रसंगों की कथा होगी, जैसे प्रह्लाद चरित्र, कृष्ण जन्मोत्सव, महारास, कंस वध, सुदामा चरित्र आदि। 21 मई को कथा समापन के साथ भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा में प्रमुख रूप से नीतू सिंह, कृष्णा पांडेय, रीता सिन्हा समेत कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत

RANCHI : बेड़ो थाना क्षेत्र के लोहरदगा मार्ग स्थित प्रखंड कॉलोनी के समीप मंगलवार की देर रात एक बाइक सवार युवक की अज्ञात वाहन की चपेट में आकर मौत हो गई। मृतक की पहचान नरकोपी थाना क्षेत्र के डोरंडा पीपर टोली निवासी 30 वर्षीय सुखराम मुंडा के रूप में हुई है। वह कांग्रेस पार्टी के पंचायत अध्यक्ष अर्जुन मुंडा का भतीजा था। जानकारी के अनुसार, सुखराम मुंडा अपाची बाइक से कहीं जा रहा था, तभी रात करीब 10:30 बजे किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पीसीआर हाईवे पेट्रोलिंग की टीम मौके पर पहुंची और घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सुखराम को बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर किया, लेकिन एम्बुलेंस 108 समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण काफी विलंब हुआ।

केंद्रीय वित्त आयोग से अतिरिक्त सहायता राशि की मांग करेगी हेमंत सरकार

चार दिवसीय दौरे पर 28 मई को रांची पहुंच रहा है आयोग का दल

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार राज्य के चहुंमुखी विकास पर लगातार ध्यान दे रही है। उग्रवाद के खिलाफ एक ओर अभियान चलाया जा रहा है, तो दूसरी ओर इससे प्रभावित क्षेत्र के विकास पर भी फोकस करने का प्लान है। जानकारी के अनुसार, 16वें वित्त आयोग की टीम 28 मई को चार दिवसीय दौरे पर रांची आएगी। आयोग झारखंड की स्थिति को लेकर राज्य सरकार व राजनीतिक दलों के साथ बैठक करेगी। राज्य सरकार मांगपत्र को फाइनल करने में जुट गई है। 29 व 30 मई को आयोग की टीम और राज्य सरकार के अधिकारियों की बैठक होगी। आयोग की टीएम फील्ड विजिट भी करेगी। राज्य सरकार आयोग के सामने राज्य की जरूरत के मुताबिक आर्थिक सहायता की तस्वीर पेश करेगी। इसमें विभागों की आवश्यकता बताई जाएगी।

उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए खर्च करने पर किया जाएगा फोकस

झारखंड की स्थिति पर राज्य सरकार व राजनीतिक दलों के साथ बैठक करेगा आयोग

- 29 व 30 मई को राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करेगी केंद्रीय टीम
- बोले वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर- बंद हैं केंद्रीय सहायता से चलने वाली कई योजनाएं

उग्रवाद प्रभावित इलाकों में पैदा करने होंगे रोजगार के अवसर : राधाकृष्ण

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने बताया है कि कि 16वें वित्त आयोग से झारखंड सरकार बंद हो चुकी एसआरई (सिक्योरिटी रीजन एक्सपेंडीचर) और विशेष केंद्रीय सहायता की राशि की मांग करेगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने मान लिया है कि राज्य में उग्रवाद नियंत्रित हो गया है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिसिया कार्रवाई के बाद उग्रवाद हमेशा के लिए खत्म रहेगा। उग्रवाद परिवेश में रहने वाले लोगों को आर्थिक रूप से मजबूत करने की योजना चलानी होगी। रोजगार के अवसर बनाने होंगे। आवागमन की व्यवस्था पर काम करना होगा। प्राथमिक विद्यालय से लेकर स्वास्थ्य केंद्रो को मजबूत बनाना होगा। ऐसा आधारभूत संरचना तैयार करना होगा कि लोगों को प्रशासनिक न्याय भी मिले। यदि ऐसी स्थिति नहीं बनेगी तो कभी भी फिर से उग्रवाद पनप सकता है। उन्होंने कहा कि उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के लिए एसआरई और विशेष केंद्रीय सहायता से योजनाएं चलाई जाती थीं। वे बंद हो गई है।

नदियों में बरसात का पानी रोकने का प्लान

वित्त मंत्री ने कहा कि झारखंड सूखा प्रभावित राज्य है। राज्य में पीने का पानी से लेकर सिंचाई के लिए भी जल संकट है। शहरी क्षेत्र में भी पानी आपूर्ति एक समस्या है। प्रत्येक वर्ष भू-जलस्तर नीचे जा रहा है। 11 नदी बेसिन यहां हैं, लगभग सभी नदियां वर्षा आधारित हैं। बरसात के पानी को संग्रहण करने के लिए आर्थिक सहयोग की जरूरत है। राज्य सरकार अपने बूते बड़ी परियोजनाओं को नहीं तैयार कर सकती है। वर्षा पानी के संग्रहण के लिए आर्थिक सहायता भी मांगी जाएगी। जलस्तर को मजबूत करने के लिए पैसे की जरूरत होगी। यदि इस पर केंद्र और राज्य सामूहिक रूप से ध्यान नहीं देंगे, तो अगले 20 वर्षों में राज्य में पेयजल के लिए हाहाकर मच जाएगा। जल संचयन की योजनाओं के लिए केंद्र और आयोग से राशि की मांग की जाएगी।

'भारत माता की जय' के नारे की लंबे समय तक सुनाई पड़ती रही गूंज

भाजपा ने निकाली तिरंगा यात्रा जवानों के शौर्य को किया नमन

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को देश के अन्य राज्यों की तरह झारखंड की राजधानी रांची में भी भारतीय जनता पार्टी ने तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा के माध्यम से भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सेना के जवानों के शौर्य को नमन किया और उनके प्रति आभार जताया। यात्रा में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी शामिल हुए। यात्रा के दौरान सभी ने 'भारत माता की जय' के नारे लगाए और बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म 'गदर' के डायलॉग भी बजाए। यह तिरंगा यात्रा शहीद चौक से निकलकर कोकर स्थित डिस्टलरी के समीप बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर संपन्न हुआ। भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर भाजपा नेताओं ने धरती आबा को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नेताओं ने कहा कि धरती आबा का जीवन और समाज के लिए समर्पण हम सबके लिए प्रेरणादायी है।

शहीद चौक से निकलकर कोकर स्थित बिरसा मुंडा समाधि स्थल पर संपन्न हुई यात्रा

'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता भारत की सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम का परिचायक : संजय सेठ

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता भारत की सशस्त्र सेनाओं के पराक्रम का परिचायक है। तिरंगा यात्रा भारत के शौर्य और सेना के अदम्य साहस को समर्पित है। मातृभूमि की रक्षा में अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे सभी वीर जवानों को प्रणाम। उन्होंने कहा कि भारतीय फौज ने जो वीरता, पराक्रम दिखाया, वह उनका कर्तव्य था और अब जनता अपना कर्तव्य पूरा कर रही है। 140 करोड़ देश की जनता अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वाह कर रही है। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारत के शौर्य और सेना के अदम्य साहस को समर्पित है। आतंकवाद के विरुद्ध इस लड़ाई में तिरंगा हमारी एकता, हमारी अखंडता का परिचायक है। संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने बिहार की पावन धरती से वादा किया था कि ऐसे लोग, जिन्होंने हमारी बहनों का सिंदूर मिटाया है, उनको मिट्टी में मिला देंगे।

- केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ बोले- 140 करोड़ जनता निभा रही अपना कर्तव्य
- बाबूलाल ने कहा- सेना व पीएम मोदी का आभार प्रकट करने के लिए निकाली गई तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा पर कृषि मंत्री ने बीजेपी को घेरा

झारखंड की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने तिरंगा यात्रा को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि देश की भावना को राजनीति से जोड़ना सही नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर भारत की शान है, लेकिन इसका राजनीतिकरण करना उचित नहीं है। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि जब कोई राजनीतिक पार्टी बैनर पोस्टर में ऑपरेशन सिंदूर को छपवाने लगती है और झंडा लेकर घूमने लग जाती है, तो यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है।

झारखंड में 9 डीएसपी को जल्द मिलेगा प्रमोशन बन जाएंगे आईपीएस

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में स्टेट पुलिस सर्विस के अफसरों की संख्या इंडियन पुलिस सर्विस में बढ़ेगी। वर्तमान में झारखंड पुलिस में आईजी रैंक से लेकर एसपी स्तर के 37 पुलिस अधिकारी स्टेट पुलिस सर्विस के हैं। इसके अलावा आने वाले कुछ महीने में नौ और डीएसपी को आईपीएस रैंक में प्रोन्नति मिलने वाली है। इसके बाद स्टेट पुलिस सर्विस के अफसरों की संख्या बढ़कर 46 हो जाएगी। दूसरी तरफ झारखंड में आईपीएस अधिकारियों के कुल 157 स्वीकृत पद हैं। इनमें से 8 पद हाल ही में जोड़े गए हैं। वर्तमान में सिर्फ 142 अधिकारी कार्यरत हैं। इनमें से कई आईपीएस अधिकारी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। वहीं कई नेशनल पुलिस अकेडमी हैदराबाद में प्रशिक्षण ले रहे हैं, जबकि कुछ डीएसपी के पद पर तैनात हैं।

- स्टेट पुलिस सर्विस के अफसरों की संख्या बढ़कर हो जाएगी 46

एसपी रैंक में सबसे अधिक अफसर

झारखंड पुलिस में वर्तमान में एसपी रैंक के कुल 54 अफसर है, जिनमें 30 डायरेक्ट और 25 प्रमोटी आईपीएस हैं। वहीं डीआईजी रैंक अफसर की बात की जाये तो वर्तमान में 17 अफसर हैं, जिनमें आठ डायरेक्ट और नौ स्टेट पुलिस सर्विस के आईपीएस है। प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों के पास 12 जिलों की जिम्मेदारी है। इनमें रांची, गुमला, चतरा, हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, रामगढ़, गढ़वा, देवघर, दुमका, साहेबगंज और गोड्डा जिला शामिल हैं। इसके अलावा रांची और धनबाद में सिटी एसपी की भी जिम्मेदारी प्रमोटी आईपीएस अधिकारियों के पास है।

कई जिलों में चलेगी लू, तो कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा

झारखंड में मई माह में गर्मी और बारिश का रहेगा मिला-जुला प्रभाव

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मई माह में बारिश और गर्मी का मिलाजुला प्रभाव रहेगा। राज्य के कई जिलों में लू चलेगी तो कई जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश भी होने की संभावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने बुधवार को दी है। विभाग के अनुसार 15 मई से विभिन्न जिलों में बारिश होने की सम्भावना है। वहीं कई जिलों में लू की लपटें चलने की आशंका व्यक्त की गई है। इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के जिन जिलों में लू चलने की आशंका है उनमें

15 मई को राज्य के पूर्वी जिले देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा और पाकुड़ और इससे लगे मध्यवर्ती हिस्सों में लू चलने की आशंका है। वहीं 16 और 17 मई को उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर अन्य जिलों में गर्जन, आकाशीय बिजली गिरने और 40-50 किमी की तेज गति से हवा चलने की आशंका है। बुधवार को रांची में मौसम साफ रहा। इससे दिन प्रचंड गर्मी का अनुभव हुआ। हालांकि दिन कभी-कभी बादल छाए रहे। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। रांची में अधिकतम तापमान 37.6, जमशेदपुर में 38.8, डाल्टेनगंज में 42.4, बोकारो में 40.1 और चाईबासा में 39.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। 16 मई को राज्य के पश्चिमी भागों को छोड़कर शेष भागों में मेघ गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की पूरी संभावना है।

स्कूली शिक्षा विभाग में अफसरों के 147 पद किए जाएंगे सृजित

RANCHI : राज्य सरकार ने स्कूली शिक्षा विभाग में कुल 147 पद सृजन करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई प्रशासी पदवर्ग समिति की बैठक में पद सृजन की अनुशंसा की गई है। इसमें कहा गया है कि सृजित पदों के लिए झारखंड अवर शिक्षा सेवा नियमावली, 2023 द्वारा स्वीकृत पे-लेवल (वेतनमान/ग्रड पे) अंतिमरूपेण प्रभावी होगा। झारखंड अधिविद्य परिषद्(जैक) में डिप्टी सेक्रेट्री के दो पदों के सृजन की अनुशंसा की गई है। सहायक शिक्षा अधीक्षक (स्थापना एवं विधि अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए सबसे अधिक 48 पदों के सृजन की अनुशंसा की गई है। सहायक शिक्षा अधीक्षक (आधारभूत संरचना अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए 24, सहायक शिक्षा पदाधिकारी (स्था एवं विधि अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए 24 और सहायक शिक्षा पदाधिकारी (आधारभूत संरचना अनुश्रवण एवं निरीक्षण) के लिए 24 पद सृजन की अनुशंसा की गई है।

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की हुई राज्य स्तरीय 91वीं त्रैमासिक बैठक

राज्य के विकास और कृषि उन्नति में बैंकों की अहम भूमिका : शिल्पी

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 91वीं त्रैमासिक बैठक हुई । बैठक में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की और वित्त सचिव प्रशांत कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य के विकास और कृषि उन्नति में बैंकों की अहम भूमिका है। उन्होंने चालू वित्तीय वर्ष में केसीसी लोन का लक्ष्य 40 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत तक करने का प्रस्ताव रखा। इससे राज्य सरकार की 2 लाख रुपये

तक की ऋण माफी योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिल सकेगा। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि केसीसी लोन का लाभ पशुपालकों और मत्स्य पालन करने वाले किसानों को भी दिया जाता है। इससे इन वर्गों को भी आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। बैठक में एपेक्स सोसाइटी की भूमिका पर भी चर्चा हुई। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि एपेक्स सोसाइटी सहकारिता के क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है। बैंकों के सहयोग से एपेक्स सोसाइटी से जुड़े एफपीओ को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है।

लापरवाही सख्ती के बावजूद राजधानी में नहीं किया जा रहा ट्रैफिक नियमों का पालन

पांच से अधिक चालान पेंडिंग रहने पर जब्त होंगे वाहन

विगत छह माह में बिना हेलमेट पहने पकड़े गए 3.14 लाख लोग आधे से ज्यादा ने नहीं भरी फाइन

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में ट्रैफिक सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए ट्रैफिक पुलिस लगातार प्रयास में लगी हुई है। नियमों का पालन कराने के प्रति सख्ती भी बरती जा रही है। फिर भी वाहन चालक गंभीरता से इसका पालन न कर लापरवाही कर रहे हैं। बाइक व स्कूटी सवार शहर में यातायात नियमों का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं। जान की परवाह किए बगैर सड़कों पर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते हुए गाड़ियां चला रहे हैं। वाहन सवार का चालान भी कट रहा है, लेकिन फाइन की राशि वे जमा नहीं कर रहे हैं। ऐसे में ट्रैफिक पुलिस अभियान चलाकर वैसे वाहन सवार को चिह्नित कर रही है, जिनका पांच से ज्यादा चालान पेंडिंग है। इनकी गाड़ी जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जान की परवाह किए बगैर सड़कों पर धड़ल्ले से चलाई जा रही हैं गाड़ियां

अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक नो पार्किंग जोन में पकड़े गए 18 हजार वाहन

नियमों के अनुरूप की जा रही कार्रवाई

शहर के आठ लोकेशन पर अभियान चलाकर ऐसी 20 बाइकों को जब्त कर संबंधित ट्रैफिक थाने में भेज दिया गया है। जब्त वाहन के मालिक को अब गाड़ी के पूरे कागजात के साथ ट्रैफिक थाना बुलाया गया है, जहां जांच के बाद फाइन की पूरी राशि जमा करने का निर्देश दिया जाएगा। फाइन की पूरी राशि जमा करने के बाद ही ट्रैफिक पुलिस वाहन छोड़ेगी। आंकड़ों पर गौर करें, तो अक्टूबर 2024 से मार्च 2025 तक ट्रैफिक पुलिस ने 3.14 लाख बाइक सवार को बगैर हेलमेट पहने गाड़ी चलाते हुए पकड़ा है। इसके बाद उनकी फाइन काटी गई है। इसके अलावा नो पार्किंग जोन में खड़े 18 हजार वाहन सवारों का भी चालान

पंचायत समिति की बैठक में विकास कार्यों की हुई समीक्षा

RANCHI : बेड़ो प्रखंड सभागार में पंचायत समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप ने की। बैठक में प्रखंड क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास योजनाओं और विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिन विभागों की प्रगति असंतोषजनक पाई गई, उन्हें कार्यशैली में सुधार लाने और गति तेज करने के निर्देश दिए गए। प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप ने कहा किहमारा उद्देश्य प्रखंड के दूरस्थ गांवों तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से लेकर पदाधिकारियों तक सभी को जिम्मेदारी से कार्य करना होगा, ताकि बेड़ो प्रखंड झारखंड में विकास की एक मिसाल बन सके। बीडी.राहुल उरांव ने कहा कि हर जरूरतमंद तक पहुंचना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना मेरी प्राथमिकता रही है।

कांके के जेएसएलपीएस कार्यालय का उप-प्रमुख ने किया निरीक्षण

PHOTON NEWS RANCHI : कांके प्रखंड कार्यालय परिसर में जेएसएलपीएस का कार्यालय है। कांके प्रखंड उप-प्रमुख अंजय बैठा ने बुधवार को कार्यालय का निरीक्षण किया। कार्यालय की स्थिति देख उप-प्रमुख ने कहा कि कार्यालय का भवन देखकर लगता है कि यहां पर चोरों को आमंत्रित किया जा रहा है। दरवाजे जर्जर हो चुके हैं। भवन की खिड़कियों की कुंडी भी खराब है। रस्सी से बांध कर कुंडी का काम किया जा रहा है। मौके पर प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अभिषेक कुमार राव ने बताया कि दफ्तर के जरूरी कागजात, कंप्यूटर, प्रिंटर इत्यादि समान होते हैं, लेकिन भवन सुरक्षा के करण देखा जाए तो कोई भी समान सुरक्षित नहीं है। कई बार कांके प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार और इनसे पूर्व के बीडीओ को इस संबंध मे लिखित रूप से अवगत कराया गया है, पर अभी तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं कि गई है। उप-प्रमुख अंजय बैठा ने कहा कि कार्यालय के कर्मियों से जानकारी लेने पर पाया कि रात में कार्यालय के बाहर नशेड़ियों का भी अड्डा रहता है। कई बार खिड़कियो से अंदर गुटखा खाकर थूक दिया जाता है।

समाचार सार

एनएमएल ने की रेलवे स्टेशन में साफ-सफाई

JAMSHEDPUR : स्वच्छता पखवाड़ा के तहत सीएसआईआर-एनएमएल ने बुधवार को टाटानगर रेलवे स्टेशन पर सफाई अभियान चलाया। एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी, टाटानगर के क्षेत्रीय प्रबंधक अभिषेक सिंघल व एनएमएल की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. शर्मिष्ठा सागर के नेतृत्व में अधिकारियों-कर्मियों ने किया। रेलवे स्टेशन परिसर की सफाई के अलावा, सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक ने टाटानगर के एरिया मैनेजर को पौधे लगे चार गमले भी सौंपे।

ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

GHATSILA : अभियान फॉर ए बेटर टुमॉरो की सभा बुधवार को प्रो. सुबोध कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसमें ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर ब्रजकिशोर दास, वीरेंद्र नारायण सिंहदेव, प्रो. मित्रेश्वर, सुबोध कुमार सिंह, साधुचरण पाल, साधना पाल, विजय कुमार सिन्हा, राकेश कुमार शर्मा व इंदल पासवान ने भी अपने विचार रखे। अंत में शहीद हुए जवानों और आतंकी हमले में हताहत नागरिकों के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

संत जेवियर्स ने मधुसूदन स्कूल को हराया

CHAIBASA : 14वीं ज्ञानचंद जैन अंतर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को खेले गए पहले सुपर डिविजन मुकाबले में संत जेवियर्स इंगलिश स्कूल ने मधुसूदन महतो उच्च विद्यालय, आसनतलिया को आठ विकेट से पराजित किया। कृपासिंधु चंदन को शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

ईटोर में बनेगी 1400 फीट लंबी पीसीसी सड़क

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत ईटोर में आंगनबाड़ी केंद्र से 1400 फीट लंबी पीसीसी सड़क बनेगी। इसका शिलान्यास बुधवार को विधायक सुखराम उरांव के प्रतिनिधि पीरू हेम्ब्रम व झामुमो, चक्रधरपुर प्रखंड के अध्यक्ष सन्नी उरांव ने किया। डीएमएफटी मद से एनआरईपी विभाग द्वारा बनाई जाने वाली इस सड़क की प्राक्कलित राशि 14 लाख 34 हजार 175 रुपये है।

पैडमैन ने छात्राओं को बताया स्वच्छता का महत्व

CHAIBASA : झारखंड के पैडमैन सह सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संस्थापक तरुण कुमार ने बुधवार को टोन्टो प्रखंड के पीएमश्री उत्क्रमित उच्च विद्यालय, बामेबासा में छात्राओं को स्वच्छता का महत्व बताया। किशोरियों को चित्र, पोस्टर व कहानियों के माध्यम से बताया कि हमें अपने शरीर के बारे में जानकारी रखना चाहिए। शरीर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। ऐसा नहीं करने से कई गंभीर बीमारी हो सकती है। बालिकाओं को माहवारी के दौरान विशेष साफ सफाई के अलावा होने वाली पीड़ा और खून की कमी से बचने के लिए उचित पोषण पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने किशोरियों को सुझाव दिया कि अधिक से अधिक हरी सब्जियां खाएं और विद्यालयों में वितरित किए जा रहे आयरन गोली का सेवन अवश्य करें और सुरक्षित सैनिटरी पैड का उपयोग करें। इस दौरान तरुण कुमार ने 150 किशोरियों में रि-यूजेबल पैड भी बांटे। इस पैड का इस्तेमाल अच्छी तरह धोकर और सुखाकर लगभग दो साल तक किया जा सकता है। इससे हर महीने महंगा पैड खरीदने से भी निजात मिल सकेगी।

समर कैंप में बच्चों ने सीखा मिट्टी से खिलौने बनाना

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी महिला मंच, जमशेदपुर शाखा द्वारा संचालित आदित्यपुर कोचिंग सेंटर में बच्चों के लिए समर कैंप हुआ, जिसमें बच्चों ने मिट्टी के खिलौने बनाना सीखा। अध्यक्ष रानी अग्रवाल के नेतृत्व में बच्चों ने मिट्टी से आम, एप्पल, बैगन, सीताफल, पपीता और शिवलिंग बनाना सीखा। उन्होंने कागज के पंखे, ठोंगे तथा अन्य सामग्री भी बनाई। कार्यक्रम में मीना अग्रवाल, निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष प्रभा पड़िया, सुलभा अग्रवाल, सीमा चौधरी, सरस्वती अग्रवाल आदि भी उपस्थित थीं।

खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार में आ रही सवारी गाड़ी, तीन की हो गई मौत

चक्रधरपुर में मुख्य मार्ग पर मंगलवार की देर रात हुई दुर्घटना

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम (चाईबासा) जिला स्थित चक्रधरपुर मुख्य मार्ग पर मंगलवार की देर रात सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाईहातू निवासी सीनू पूर्ती अपने गांव से टाटा मैजिक गाड़ी पर लोगों को लेकर चाईबासा की ओर जा रहा था। गांव से कुछ दूरी पर अज्ञात वाहन से बचने के प्रयास में सड़क किनारे खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टाटा मैजिक के परखच्चे उड़ गए।

आवाज सुनकर स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। हादसे की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू करवाया। पुलिस ने तुरंत घायलों को अस्पताल भेजवाया। मृतकों की पहचान गंगा जारिका (35), सीनू पूर्ति (36), शिवराम हेंब्रम (32) और जगदीश हेंब्रम (35) के रूप में की गई है। गंभीर रूप से घायल जगदीश को प्राथमिक इलाज के बाद टाटा मुख्य अस्पताल रेफर किया गया है। मुफस्सिल थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि दुर्घटना देर रात की है और संभवतः ट्रक की तेज रफ्तार इसके पीछे की मुख्य वजह हो सकती है। उन्होंने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और दुर्घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त सवारी गाड़ी को देखने जुटे लोग ● फोटोन न्यूज

वाहन पलटने से आठ लोग हो गए घायल

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर प्रखंड के केंदों पंचायत के कुरुलिया गांव के समीप मोड़ पर बुधवार की दोपहर छोटी सवारी गाड़ी पलटने से आठ लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज अनुमंडल अस्पताल चक्रधरपुर में किया गया। वहीं गंभीर रुप से घायल लोगों को चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार रोज की तरह बुधवार को भी सवारी (टाटा मैजिक) गाड़ी चक्रधरपुर से भलियाडीह के लिए खुली। कुरुलिया गांव के समीप मोड़ पर तेज रफ्तार सवारी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई थी। सभी घायलों को विधायक प्रतिनिधि पीरु हेंब्रम तथा 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष ताराकांत सिजुई ने एक अन्य सवारी गाड़ी से इलाज के लिए अस्पताल भेजा। घायलों में घाघरा आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका अनादी गागराई, भलियाडीह की मानी जामुदा, करुणा सामड, घाघरा की जोंगा सवैयां, ज्योति गागराई, माझीसाई के मंगल जामुदा, ललिता सवैयां, नौ वर्षीय जयपाल सवैयां आदि शामिल हैं। बताया जाता है कि सवारी गाड़ी में क्षमता से अधिक अधिक लोग सवार थे। चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल सेविका अनादी गागराई व मानी जामुदा को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है। बाकी घायलों को इलाज के बाद छोड़ दिया गया।

पीएचसी, बालीगुमा को मिला राज्य का पहला एनक्यूएएस सर्टिफिकेट

● मानुषमुड़िया, बहरागोड़ा बना झारखंड का दूसरा एनक्यूएएस प्रमाणित पीएचसी, सिविल सर्जन ने पूरी टीम को दी बधाई

PHOTON NEWS JSR: सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम की एकदिवसीय मासिक समीक्षात्मक बैठक बुधवार को सिविल सर्जन सभागार, खासमहल में हुई। इसमें शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बालीगुमा-मानगो को झारखंड राज्य का पहला अर्बनइम पीएचसी एनक्यूएएस (राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक) सर्टिफिकेट तथा मानुषमुड़िया, बहरागोड़ा को झारखंड राज्य का दूसरा एनक्यूएएस सर्टिफाइड पीएचसी बनने पर सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य विभाग की पूरी टीम को बधाई दी। सिविल सर्जन ने क्रमवार सभी अटल क्लिनिक तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर (शहरी) में टीकाकरण चालू करने के साथ-साथ शत-प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए' उन्होंने राष्ट्रीय कार्यक्रम जैसे यक्ष्मा, मलेरिया, कुष्ठ इत्यादि के बारे में जानकारी ली'। जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. रंजीत कुमार पंडा ने विस्तारपूर्वक एईएफआई उपचार के बारे में अवगत कराया। इसके साथ ही शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करने की बात कही। बैठक में डॉ. सौमाल्या घोष, जिला कुष्ठ परामर्शी-डॉ. राजीव, मनीष कुमार सिंह, दीपक कुमार, राजेश कुमार विशाल कुमार, अमित कुमार के अलावा सभी लोक स्वास्थ्य प्रबंधक, एएनएम, यूबीटीटी, पीएसआई - इंडिया,सहिया-साथी, बिमल दास भी उपस्थित थे।

बालीगुमा स्थित पीएचसी के बाहर बैठे सिविल सर्जन व अन्य ● फोटोन न्यूज

ट्रैफिक पुलिस को मिला छाता, गॉगल्स व ओआरएस का पैकेट

JAMSHEDPUR : शहर की तपती सड़कों पर ड्यूटी करने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को अब गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। बिष्टुपुर स्थित एसएसपी कार्यालय में मंगलवार को एसएसपी किशोर कौशल ने ट्रैफिक विभाग के सिपाहियों को गर्मी से बचाव के लिए छाता, तौलिया, गॉगल्स और ओआरएस घोल के पैकेट दिए गए। एसएसपी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी सुबह से शाम तक चौक-चौराहों पर तैनात रहते हैं। तेज धूप और भीषण गर्मी से बचाव के लिए ये राहत सामग्री दी गई है, ताकि वे अपनी ड्यूटी बेहतर तरीके से निभा सकें। जहां-जहां ट्रैफिक चेकिंग हो रही है या जहां सिपाही तैनात हैं, वहां पानी के घड़े भी रखे जा रहे हैं। इसका लाभ राहगीरों को भी मिलेगा।

भिलाईपहाड़ी में मिला महिला का शव, इलाके में सनसनी

JAMSHEDPUR : मानगो स्थित एमजीएम थाना क्षेत्र के भिलाईपहाड़ी में मंगलवार की शाम एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान 36 वर्षीय गीता सबर के रूप में हुई है, जो सोमवार को अपने घर से निकली थी। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, तो कुछ दूरी पर खेत की झाड़ियों में शव बरामद हुआ।

सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर एमजीएम अस्पताल के शीतगृह में भेजा। पुलिस का कहना है कि महिला की मौत वज्रपात या हीट स्ट्रोक से हो सकती है। हालांकि, मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। फिलहाल बुधवार को पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है।

मुसाबनी में बहला-फुसला कर किशोरी का अपहरण

मुसाबनी के देबली गांव से एक किशोरी का बहला-फुसला कर अपहरण कर लिया गया है। किशोरी के पिता ने गांव के ही गोवर्धन धीवर पर अपहरण का आरोप लगाया है। जिले में बहला-फुसला कर किशोरी या युवती के अपहरण की घटनाएं बढ़ रही हैं। जानकारों का मानना है कि पुलिस को इन घटनाओं पर कड़ा एक्शन लेना होगा।

बागबेड़ा में छेड़खानी का विरोध करने पर युवती को पीटा

बागबेड़ा में घाघीडीह की रहने वाली एक युवती के साथ छेड़खानी की गई। बताते हैं कि इसका विरोध करने पर युवती के साथ मारपीट की गई। इस मामले में युवती के आवेदन पर बागबेड़ा थाने में सुधीर और उसके बेटे प्रीतम व पत्नी सावित्री को आरोपी बनाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आधार सेंटर में लोगों ने जमकर किया हंगामा

आधार सेंटर के बाहर बीडीओ का इंतजार करते लोग ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : प्रखंड कार्यालय में बनाए गए आधार सेंटर में बुधवार को लोगों ने जमकर हंगामा किया। आधार कार्ड बनाने व सुधार करने को लेकर काफी संख्या में लोग सुबह से प्रखंड कार्यालय परिसर में लाइन लगाकर खड़े थे। ऑफिस खुलने के बाद बताया गया कि केंद्र का ऑपरेटर अचानक छुट्टी पर चला गया है, इसलिए आज काम नहीं होगा। इसके बाद नाराज लोगों ने जमकर हंगामा किया। लोग पदाधिकारी के आने का इंतजार करते रहे। दोपहर लगभग 1 बजे बीडीओ युनिका शर्मा आईं, तो लोगों ने उनसे शिकायत की। हालांकि बीडीओ भी लोगों को संतोषप्रद जवाब नहीं दे सकीं। महिलाओं ने कहा कि बीडीओ हमलोगों से बात ही करना नहीं चाह रही थीं। कई लोग रोजगार के लिए जमशेदपुर जाते हैं, लेकिन आज छुट्टी लेकर आधार कार्ड बनाने आए थे। प्रखंड में अन्य कहीं आधार केंद्र नहीं है। विरोध करने वालों में सुमन पातर, नैना पातर, युधिष्ठिर सीट, लखन सोरेन सहित अन्य लोग शामिल थे।

सोनारी में महिला से चेन छिनतई, एक धराया दूसरे की तलाश जारी

JAMSHEDPUR : सोनारी थाना क्षेत्र के कुंजनगर में एक महिला से चेन छिनतई हुई है। बताया जाता है कि कामेश्वर यादव की पत्नी जब घर के बाहर टहल रही थीं, तभी बाइक सवार दो युवकों ने उनके गले से चेन छीन कर फरार हो गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग जुटे, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही सोनारी पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके का मुआयना किया। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और जांच के आधार पर एक आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक का नाम केशव झा है और वह भी कुंजनगर का निवासी है। केशव झा से पूछताछ के दौरान पुलिस को उसके साथी के बारे में भी जानकारी मिली है। फिलहाल पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने बताया कि बुधवार को ही गिरफ्तार युवक को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जाएगा।

डीसी की दी हुई समयसीमा पूरी, अब तक 577 बच्चे नामांकन से वंचित

1303 बच्चों में से अब तक 726 का ही हुआ एडमिशन

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले में निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए निजी विद्यालयों की प्रवेश कक्षा में कुल 1303 के चयनित बच्चों में अब तक 726 बच्चों का ही नामांकन किया गया है। अभी भी 577 बच्चे नामांकन से वंचित हैं। ऐसा तब है जब डीसी अनन्य मित्तल ने निजी स्कूलों के प्रबंधकों को सख्त चेतावनी जारी करते हुए सभी बच्चों का नामांकन पांच दिनों के अंदर पूरा करने को कहा था। यह चेतावनी 8 मई को जारी हुई थी।

निजी स्कूलों के प्रबंधकों ने इस चेतावनी को हल्के में लिया। इसीलिए, अब तक पांच दिन पूरे होने के बाद भी नामांकन का काम पूरा नहीं हो पाया है। हालांकि, डीसी ने नरमी बरतते हुए इन प्रबंधकों को तीन दिन की और मोहलत दी है। डीसी ने कहा है कि यह आखिरी मोहलत है।

तीन दिन के बाद भी अगर नामांकन का काम अधूरा रहता है तो ऐसा करने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने चेतावनी दी है कि ऐसे स्कूलों को चिह्नित किया जाएगा। डीसी ने निर्देश दिया है कि तीन दिन के बाद जिला शिक्षा अधीक्षक उन्हें ऐसे स्कूलों की सूची दें, जो आरटीई के तहत बच्चों के नामांकन में लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसे स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई का खाका तैयार हो रहा है।

● उपायुक्त ने निजी स्कूलों को दी तीन दिन की और मोहलत

डीसी अनन्य मित्तल

पथ निर्माण विभाग सभी फ्लाईओवर को आपस में जोड़ने की योजना पर कर रहा काम

जमशेदपुर में बनेगा कनेक्टिंग फ्लाईओवर, खाका हो रहा तैयार

MUJTABA RIZVI @ JSR : जमशेदपुर में कनेक्टिंग फ्लाईओवर बनाया जाएगा। इसके लिए पथ निर्माण विभाग योजना का खाका तैयार कर रहा है। कनेक्टिंग फ्लाईओवर को लेकर पथ निर्माण विभाग के आला अधिकारी मंथन में जुटे हुए हैं। जमशेदपुर में फ्लाईओवरों के निर्माण के बाद कनेक्टिंग फ्लाईओवर को धरातल पर उतारने का काम शुरू होगा। इसके तहत, शहर के कई फ्लाईओवरों को एक साथ आपस में जोड़ दिया जाएगा।

कनेक्टिंग फ्लाईओवर का जो खाका तैयार हो रहा है, उसमें चार फ्लाईओवर जोड़े जाएंगे। नेशनल हाईवे-33 पर काली मंदिर से बालीगुमा तक एक फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है। इसके साथ ही मानगो से साकची तक फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इसके अलावा, मानगो बस स्टैंड गोलचक्कर के ऊपर से भुइयांडीह में एक फ्लाईओवर बनाने की बात चल रही है। यह फ्लाईओवर भुइयांडीह से उठ कर मानगो बस स्टैंड गोलचक्कर के ऊपर से साकची में खरकई लिंक रोड तक आएगा। पथ निर्माण विभाग को इस संबंध में विधायक की तरफ से प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अलावा, भुइयांडीह के लिट्टी चौक पर एक ओवरब्रिज बन रहा है। पथ निर्माण विभाग के एक आला अधिकारी ने बताया कि इन सभी फ्लाईओवर और ओवरब्रिज को एक साथ जोड़ दिया जाएगा। इसी को कनेक्टिंग फ्लाईओवर कहा जाएगा।

मानगो का फ्लाईओवर बनने के बाद बनाया जाएगा डीपीआर

जमशेदपुर में कनेक्टिंग फ्लाईओवर का निर्माण तब शुरू होगा, जब यहां के सभी फ्लाईओवर व ओवरब्रिज का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। पथ निर्माण विभाग के इंजीनियरों का कहना है कि कनेक्टिंग फ्लाईओवर का निर्माण शुरू होने में कम से चार साल लग सकता है। क्योंकि, 236 करोड़ 98 लाख रुपये की लागत से मानगो का फ्लाईओवर तो अगले साल तक बन कर तैयार हो जाएगा। मगर, नेशनल हाईवे पर बनने वाले फ्लाईओवर में देर है। इसी तरह, लिट्टी चौक पर बनने वाले ब्रिज का अब तक निर्माण भी शुरू नहीं हुआ है। यही नहीं, भुइयांडीह में मानगो बस स्टैंड के ऊपर से बनने वाले फ्लाईओवर को अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। हालांकि, विधायक सरयू राय ने इसका प्रस्ताव पथ निर्माण विभाग को भेज दिया है। लिट्टी चौक पर 44 करोड़ रुपये की लागत से जो ब्रिज बनेगा, उसके पूर्व सीएम रघुवर दास के कार्यकाल में सरकार से मंजूरी मिली थी। हालांकि, बाद में इसका कागजी काम अटक गया था। पिछले साल 4 अक्टूबर को इसका शिलान्यास हुआ था।

यातायात व्यवस्था को आसान बना देगी पथ निर्माण की योजना

जानकारों का कहना है कि कनेक्टिंग फ्लाईओवर शहर की यातायात व्यवस्था को चाक चौबंद कर देगा। कनेक्टिंग फ्लाईओवर बन जाने के बाद एक फ्लाईओवर पर चढ़ कर कोई भी वाहन दूसरे फ्लाईओवर पर जा सकेगा। जैसे, अगर कोई एनएच-33 के फ्लाईओवर पर है, तो वह वहां से मानगो के फ्लाईओवर से होते हुए लिट्टी चौक पर बनने वाले ब्रिज पर भी जा सकेगा। इसके लिए मानगो के फ्लाईओवर को नेशनल हाईवे वाले फ्लाईओवर से जोड़ दिया जाएगा। इसके लिए डिमना रोड पर जगह भी है। यही नहीं, मानगो के फ्लाईओवर को मानगो बस स्टैंड गोलचक्कर वाले फ्लाईओवर से कनेक्ट कर दिया जाएगा। यह फ्लाईओवर लिट्टी चौक पर बनने वाले ब्रिज से कनेक्ट रहेगा।

केंद्रीय मंत्री के निर्देश पर तीन डाक कर्मी सस्पेंड, एक को हटाया गया

JAMSHEDPUR : टाटानगर पोस्टऑफिस में ड्यूटी के दौरान खुलेआम शराब पीने के मामले में डाक विभाग ने सख्त कदम उठाया है। इस मामले में तीन डाक कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। जबकि, एक कर्मचारी को हटा दिया गया है। डाक विभाग की इस कार्रवाई से विभाग में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देश के बाद हुई है। बताया जाता है कि 3 मई की रात पोस्टऑफिस परिसर में कुछ डाक कर्मचारियों द्वारा शराब पीने की घटना सामने आई थी। जब यह मामला मीडिया रिपोर्ट के जरिए प्रकाश में आया, तब विभागीय जांच के आदेश जारी किए गए। जांच का नेतृत्व एएसपी (वेस्ट) परीक्षित सेठ ने किया। वरीय डाक अधीक्षक परमानंद कुमार के निर्देश पर हुई जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद एलएसजी डाक सहायक नितेश कुमार, ओवरसियर अमित कुमार ठाकुर और नाइट गार्ड जितेंद्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। वहीं जीडीएस बीपीएम सूरज कुमार साहू को ड्यूटी से हटा दिया गया। यह मामला केंद्रीय संचार मंत्रालय और मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संज्ञान में आने के बाद गंभीरता से लिया गया। डाक विभाग ने इसे अनुशासनहीनता और सेवा शर्तों का घोर उल्लंघन मानते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि भविष्य में ऐसी किसी भी घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। डाक विभाग की इस सख्त कार्रवाई से यह संदेश गया है कि कार्यालय परिसर में अनुशासन और गरिमा बनाए रखना अनिवार्य है और उसकी अवहेलना पर कठोर दंड मिलेगा।

बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने-जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता-पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना - अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना

एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट

अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना

बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण

पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत
जी घबराना या उल्टी होना
सांस लेने में तकलीफ
ज्यादा पसीना आना
ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार-बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने-जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए-नए बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुंद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।

केरल में भी हैं जम्मू-कश्मीर जैसी जगहें, जानें कहां और कैसा है वहां का नजारा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में तनाव का माहौल है. कई लोग अब जम्मू-कश्मीर जाने से डर रहे हैं. ऐसे में इस ठंडे राज्य में गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए जिन लोगों ने पहले से टिकट बुक कर रखे थे, उनमें से ज्यादातर लोग अपनी टिकट कैंसिल करा रहे हैं. इन सभी के दिमाग में एक बात जरूर आ रही होगी कि अगर वो जम्मू-कश्मीर की टिकट कैंसिल करा रहे हैं तो इस गर्मी के मौसम में भारत के किस राज्य में जाना बेहतर रहेगा. ऐसे में आज इस खबर के जरिए जानिए कि गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए भारत में कौन सी जगह सबसे अच्छी रहेगी...

केरल के वायनाड जिले में स्थित कलपेट्टा नामक इलाका बेहद शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर जगह है. यह जगह आपको बेहद पसंद आएगी. प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह हिल स्टेशन पर्यटकों को एक नया अनुभव देता है. आइए अब इस जगह के बारे में पूरी जानकारी जानते हैं.

केरल के बारे में सोचते ही सबसे पहले उनके दिमाग में मुन्नार या थेक्कडी जैसी जगहें आती हैं. दरअसल, ये दोनों ही जगहें लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं. लेकिन केरल में और भी कई नई और अनोखी जगहें . इनमें से एक है कलपेट्टा. जी हां ! हममें से कई लोगों ने अब तक कलपेट्टा के बारे में नहीं सुना होगा. लेकिन यह एक ऐसी जगह है जो लोगों के दिलों को मोह लेती है. यह ऊंची पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों का एक सुंदर मिश्रण दृश्य प्रस्तुत करता है.

कलपेट्टा केरल के वायनाड जिले में स्थित एक जगह है. यहां चारों तरफ हरे-भरे पेड़ और प्राकृतिक सुंदरता है. यहां जाने वाले हर व्यक्ति के लिए यह एक अच्छा अनुभव होगा. यह बहुत ही शांत वातावरण वाली जगह है. यह समुद्र तल से लगभग 780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. पश्चिमी घाटों के बीच स्थित इस जगह पर मौसम हमेशा ठंडा रहता है. गर्मियों में भी ठंड कभी कम नहीं होती. यही कारण है कि यह पूरे साल घूमने के लिए एक आदर्श जगह है.

कलपेट्टा के आसपास मेप्पाडी नामक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चाय के बागान हैं. इन हरे-भरे क्षेत्रों के बीच घूमना एक अद्भुत एहसास देता है. हर पर्यटक इनके बीच के रास्तों पर घूमना और फोटो लेना पसंद करता है. कलपेट्टा से 15 किमी दूर एक खूबसूरत झील है. वहां नाव से यात्रा करना और पक्षियों को देखना बहुत आनंददायक है. इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है. यह प्राकृतिक झील समय बिताने के लिए एक शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करती है.

यदि आप कहीं ठंडी जगह जाना चाहते हैं, चाहे गर्मी की छुट्टियों में या मानसून के मौसम में, तो कलपेट्टा सबसे अच्छा विकल्प है. यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जिसकी प्राकृतिक सुन्दरता के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है. यदि आप कुछ नया देखना चाहते हैं और यातायात और अराजकता से दूर एक शांत, ठंडी जगह में समय बिताना चाहते हैं, तो आपको निश्चित रूप से कलपेट्टा की यात्रा करनी चाहिए.

रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे, बदलाव देख रह जाएंगे हैरान

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्यूनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी

आंवला पाउडर - 1 चम्मच सूखा
जीरा पाउडर - 1 चम्मच भुना हुआ
पानी - 1 गिलास गुनगुना

इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य सोर्स है। यह शरीर की इम्यूनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी

आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद

आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुंहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डायबिटीज होगी कंट्रोल

दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।

सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न समस्त मत पंथ विश्व में शांति चाहते हैं

प्रहलाद सबनानी

पूरे विश्व में संभवतः केवल भारत ही एक ऐसा देश है जहां धार्मिक विविधता एवं धार्मिक सहिष्णुता को समाज द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है। सनातन हिंदू संस्कृति में धर्म को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। भारतीय नागरिक स्वयं को किसी न किसी धर्म से सम्बंधित अवश्य बताता है। इसी के चलते, भारतीय नागरिक विश्व के किसी भी कोने में चला जाय परंतु अपनी संस्कृति को छोड़ता नहीं है।

भारत में सनातन हिंदू धर्म तो अनादि एवं अनंत काल से चला आ रहा है परंतु बाद के खंडकाल में भारत में कई अन्य प्रकार के मत पंथ भी विकसित हुए हैं जैसे बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि। भारत में विकसित विभिन्न मत पंथ मूलतः सनातन हिंदू संस्कृति का ही अनुपालन करते हुए दिखाई देते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यह समस्त मत पंथ सनातन हिंदू धर्म की विभिन्न धाराएं ही हैं। भारत में विकसित मत पंथ सामान्यतः अपने दर्शन, कर्मकांड एवं सामाजिक ताने बाने के दायरे में अपने धर्म का अनुपालन करते हैं। भारत में हिंदू धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाले नागरिकों की संख्या सबसे अधिक हैं एवं यह भारत का सबसे बड़ा धर्म है, जिसमें विभिन्न देवी देवताओं और पूजा प्रथाओं की एक विस्तृत प्रणाली शामिल है।

भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के सम्बंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। बौद्ध धर्म में कर्मकांड के महत्व को भी रेखांकित किया गया है परंतु इसका उद्देश्य ईश्वर की आराधना नहीं बल्कि मोक्ष की प्राप्ति करने से है।

भारत में ही विकसित दूसरे महत्वपूर्ण मत पंथ, जैन धर्म में अहिंसा, आत्म संयम, सत्य एवं ईमानदारी पर अधिक जोर दिया जाता है। जैन धर्म में ऐसा माना जाता है कि मोक्ष की प्राप्ति स्वयं के प्रयासों से ही सम्भव है।

भारत में ही विकसित तीसरा महत्वपूर्ण मत पंथ है सिख धर्म जिसकी स्थापना श्री गुरु नानक देव जी ने की थी। सिख धर्म ईश्वर में विश्वास, सेवा, समानता एवं सत्यनिष्ठा पर आधारित है। सिख धर्म में ईश्वर की उपासना की जाती है परंतु यह उपासना कर्मकांड से परे हैं।

भारत की सनातन हिंदू संस्कृति को पूरे विश्व में अति प्राचीन संस्कृति के रूप में देखा जाता है। मूल रूप से भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आध्यात्म का विशेष महत्व है जिसके अंतर्गत ह्ववसुधैव कुटुंबकमह्व, ह्वसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायह्व, ह्वविश्व का कल्याण होह्व, ह्वकिसी भी जीव का अहित न होह्व जैसे भावों पर अमल करने का प्रयास किया जाता है। भारत में चूंकि मनुष्य के साथ साथ जीव जंतुओं, नदियों, पहाड़ों, पेड़ पौधों एवं जंगलों, आदि में भी ईश्वर का वास माना जाता है इसलिए किसी भी जीव को कोई क्षति न हो इस भावना को न केवल को आगे

बढ़ाया जाता है बल्कि इस सिद्धांत पर अमल भी किया जाता है। इसीलिए भारत मूलतः शांतिप्रिय देश माना जाता है तथा भारत में हिंसा के लिए तो कोई जगह ही नहीं है। भारत के धर्मग्रंथों में भी जाने अनजाने में भी की गई जीव हत्या को पाप की संज्ञा दी गई है। सनातन हिंदू संस्कृति के ग्रंथों, उपनिषदों, आदि द्वारा काम, कर्म एवं अर्थ को धर्म के साथ जोड़कर ही सम्पन्न करने के उपदेश दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, महाभारत में वेद व्यास जी ने धर्म के आठ तरीके बताए हैं - (i) यज्ञ - जिसका आशय है कि ऐसा कर्म जो समाज के लाभ के लिए किया जाता है। (ii) दान - समाज की सहायता करना। (iii) तप - अर्थात स्वयं में सुधार करते रहना, स्वयं का मूल्यांकन करना तथा नकारात्मक गुणों को दूर कर सकारात्मक गुणों का विस्तार करना। (iv) सत्यम् - सत्य के मार्ग पर चलना। (v) क्षमा -दूसरों तथा स्वयं को गलतियों के लिए क्षमा करना। (vi) दंभ - इंद्रियों को वश में रखना। (vii) आलोभ - लालच नहीं करना एवं लालच में न आना। (viii) अध्ययन - स्वयं और दुनिया का अध्ययन करना। सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायी सामान्यतः धर्म के उक्त वर्णित आठ तरीकों पर चलने का प्रयास करते पाए जाते हैं। धर्म की इस राह पर चलकर उन्हें समाज में शांति पूर्वक रहने की प्रेरणा मिलती है एवं अंततः उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इसके साथ ही, विश्व के अन्य देशों में विकसित मत पंथों का अनुसरण करने वाले नागरिक भी भारत में पर्याप्त मात्रा में निवास करते हैं जैसे यहूदी, ईसाई एवं इस्लाम के अनुयायी, आदि। विश्व के अन्य भागों में विकसित उक्त वर्णित मत पंथों को सेमेटिक रिलिजन की श्रेणी में रखा जाता है क्योंकि इनकी साझा उत्पत्ति एवं कुछ सामान्य अवधारणाएं होती हैं, जैसे एक ही ईश्वर में विश्वास, नैतिकता एवं कर्मकांड।

यहूदी धर्म एक धर्मग्रंथ (ताल्मुद) पर आधारित है। इस धर्मग्रंथ में यहूदी लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दशार्या गया है। यहूदी धर्म सेमेटिक धर्म की श्रेणी में आता है क्योंकि इसमें एक ईश्वर (येहव) में विश्वास, अनुष्ठान एवं नैतिक नियमों का पालन किया जाता है। ईसाई धर्म ईसा मसीह की शिक्षाओं पर आधारित है, जो एक ईश्वर में विश्वास एवं ईसा मसीह के द्वारा उद्धार करने एवं उनके द्वारा ही मोक्ष करने पर जोर देता है। इसी प्रकार इस्लाम भी पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं पर आधारित है, जो कि एक ईश्वर (अल्लाह) में विश्वास एवं कुरान का पालन करने पर जोर देता है।

भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों एवं मत पंथों में ईश्वर की अवधारणा विविध है, परंतु सेमेटिक धर्मों में केवल एक ईश्वर में ही विश्वास किया जाता है। भारतीय मत पंथों में कर्मकांड का महत्व कम है, जबकि सेमेटिक धर्मों में कर्मकांड की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भारतीय मत पंथों में मोक्ष की प्राप्ति के विभिन्न मार्ग उपलब्ध हैं जिन पर चलकर मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है परंतु सेमेटिक धर्मों में मोक्ष की प्राप्ति केवल ईश्वर की कृपा से ही सम्भव है। भारतीय मत पंथों में विविध सामाजिक संरचना रहती है जबकि सेमेटिक धर्मों में एक समान सामाजिक संरचना रहती है एवं इसमें विविधता का अभाव है। भारत में उत्पन्न धर्मों एवं मत पंथों में तथा सेमेटिक धर्मों में सामाजिक संरचना एवं दर्शन भी अलग अलग है।

भारत के बारे में यह कहा जाता है कि यहां विविधता में भी एकता दिखाई देती है क्योंकि आज भारत में विभिन्न धार्मिक आस्थाओं एवं विभिन्न धर्मों की उपस्थिति तथा उनकी उत्पत्ति तो दिखाई ही देती है, साथ ही, व्यापारियों, यात्रियों, आप्रवासियों, एवं यहां तक कि आक्रमणकारियों द्वारा भी यहां लाए गए धर्मों को आत्मसात करते हुए उनका सामाजिक एकीकरण दिखाई देता है। सभी धर्मों के प्रति हिन्दू धर्म के आतिथ्य भाव के विषय में जॉन हार्डन लिखते हैं, 'हालांकि, वर्तमान हिन्दू धर्म की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता उसके द्वारा एक ऐसे गैर-हिन्दू राज्य की स्थापना करना है जहां सभी धर्म समान हैं...।'

पूरे विश्व में संभवतः केवल भारत ही एक ऐसा देश है जहां धार्मिक विविधता एवं धार्मिक सहिष्णुता को समाज द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है। सनातन हिंदू संस्कृति में धर्म को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। भारतीय नागरिक स्वयं को किसी न किसी धर्म से सम्बंधित अवश्य बताता है। इसी के चलते, भारतीय नागरिक विश्व के किसी भी कोने में चला जाय परंतु अपनी संस्कृति को छोड़ता नहीं है। इसी कारण से यह कहा जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर आज की परिस्थितियों की बीच केवल भारतीय सनातन संस्कृति के माध्यम से ही पूरे विश्व में एक बार पुनः शांति स्थापित की जा सकती है।

संपादकीय

प्रधानमंत्री का सख्त संदेश

पाकिस्तान के साथ सीजफायर के दो दिन बाद सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में इस्लामाबाद को कड़ा संदेश दिया। प्रधानमंत्री ने अपने 22 मिनट के संबोधन में सीजफायर, आतंकवाद, पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके), ऑपरेशन सिंदूर, पहलगाम में जघन्य हमला और सिंधु जल समझौते पर बात की। उन्होंने कड़े तेवर के साथ कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं चल सकते। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता जाहिर उनका यह संदेश सिर्फ पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी था। प्रधानमंत्री के संबोधन से एक बात साफ हो गई कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान और आतंकवाद के बारे में पुरानी नीति का परित्याग कर दिया है जहां कूटनीति और आतंक का सहअस्तित्व था। उन्होंने विश्व समुदाय को भारत की नई नीति और सिद्धांत के बारे में स्पष्ट तौर पर बता दिया कि अगर आप पाकिस्तान के साथ बात होगी तो आतंकवाद पर और पाक अधिकृत कश्मीर पर ही बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। यानी परमाणु हमले की धमकी को अलग-थलग करके आतंकी अड्डों को नष्ट करेगा। यह याद रखा जाना चाहिए कि अगर पाकिस्तान भारत पर परमाणु हमला करता है तो भारत को सिर्फ खरोंचे ही आएगी, लेकिन विश्व मानचित्र से पाकिस्तान का नाम ही मिट जाएगा। विश्व समुदाय जानता है कि भारत एक जिम्मेदार और सभ्य राष्ट्र है जो पहले परमाणु शस्त्र का इस्तेमाल कभी नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बात को दोहराया कि यह युद्ध का समय नहीं है, लेकिन इसी के साथ उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह आतंकवाद का भी समय नहीं है। वास्तव में भारत पिछले दशकों से आतंक की पीड़ा झेल रहा है। ऐसा पहली बार हुआ कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान में इस्लामाबाद से कराची तक 13 जगहों को अपना निशाना बनाया। न केवल निशाना बनाया बल्कि पाकिस्तान के कई लड़ाकू विमानों को नेतस्नाबूद भी कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बुद्ध ने शांति का रास्ता दिखाया है, लेकिन शक्ति से ही शांति का रास्ता निकलता है। इसका अर्थ साफ है कि भारत अब भई बिनु होई न प्रीति..की नीति को आगे बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा भी है कि 'ऑपरेशन सिंदुर' स्थगित हुआ है, खत्म नहीं।

चिंतन-मनन

दूसरे की गलती

एक बार गुरु श्यामानंद ने अपने चार शिष्यों को एक पाठ पढ़ाया। पढ़ाने के बाद वह अपने शिष्यों से बोले, अब तुम चारों इस पाठ का बार-बार अध्ययन कर इसे याद करो। इस बीच यह ध्यान रखना कि तुम में से कोई बोले नहीं। थोड़ी देर बाद मैं तुमसे इस पाठ के बारे में बात करूंगा। यह कहकर श्यामानंद वहां से चले गए। उनके जाने के बाद चारों शिष्य अलग-अलग बैठकर पाठ का अध्ययन करने लगे।

अचानक बादल घिर आए और वर्षा की संभावना बन गई। यह देखकर एक शिष्य बोला, लगता है, तेज बारिश होगी। यह सुनकर दूसरे ने कहा, तु?हें बोलना नहीं चाहिए था। तभी तीसरा बोला, तुम लोगों ने बोलकर गुरुजी की आज्ञा भंग कर दी है। चौथा शिष्य चुपचाप पाठ पढ़ता रहा। इसी बीच श्यामानंद वहां आ गए। उन्हें देखकर पहला शिष्य बोला, गुरुजी, यह मौन नहीं रहा और बोलने लगा। दूसरा शिष्य बोल पड़ा, तो तुम कौन सा मौन थे। तुम भी तो बोल पड़े थे। तीसरे ने कहा, इन दोनों ने बोलकर आपकी आज्ञा भंग कर दी है। यह सुनकर दोनों तपाक से बोले, तुम भी तो बोल ही पड़े थे। मगर चौथा शिष्य अभी भी चुप था।

उसे देखकर गुरुजी बोले, तुम में से केवल इसने ही मेरी आज्ञा मानी। यह निश्चय ही आगे चलकर बड़ा और महत्वपूर्ण कार्य करेगा क्योंकि इसके भीतर पर्याप्त धैर्य और एकाग्रता है। यह किसी के बहकावे में नहीं आता न ही किसी क्षणिक हलचल से विचलित होता है। तुम तीनों के भविष्य को लेकर मुझे शंका है क्योंकि तुम तीनों एक दूसरे का दोष निकालने के कारण स्वयं भी गलती कर बैठे। अधिकतर लोग ऐसा ही करते हैं। वे दूसरे को उसकी गलती बताने के चक्कर में स्वयं भी गलती कर बैठते हैं और फिर स्वयं कब गलत मार्ग पर चलने लगते हैं, इसका उन्हें आभास तक नहीं होता। यह सुनकर तीनों शिष्यों का सिर शर्म से झुक गया।

मानव सभ्यता का शिखर एवं रिश्तों का स्वर्ग है परिवार

ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां: सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मजबूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फर्ज है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है। आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहुत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालो में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अत्याधुनिक युग में बढ़ती महंगाई और बढ़ती जरूरतों को देखते हुए संयुक्त परिवार समय की मांग कहे जा सकते हैं। भारत गांवों का देश है, परिवारों का देश है, शायद यही कारण है कि न चाहते हुए भी आज हम विश्व के सबसे बड़े जनसंख्या वाले राष्ट्र के रूप में उभर चुके हैं और शायद यही कारण है कि आज तक जनसंख्या दबाव से उपजी चुनौतियों के बावजूद, एक 'परिवार' के रूप में, जनसंख्या नीति बनाये जाने की जरूरत महसूस नहीं की। ईंट, पत्थर, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का एक हिस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ 'मैं' और 'मेरापन' जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अप्रियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इन द्वंद्वात्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है। आदमी की हर कोशिश ह्यघर-परिवारह्ल बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की स्वीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सापेक्ष जीवनशैली से जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है। परिवार एक संसाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन का अहसास पसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा देगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मयार्दा और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में सम्पत्ति के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी 'संयुक्त परिवार' का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है।

टेस्ट क्रिकेट : विराट ने भी दिया विराम

मनोज चतुर्वेदी

अपने 14 साल के टेस्ट कॅरियर में देश को तमाम उपलब्धियां दिलाने वाले विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को स्तब्ध कर दिया है। कुछ दिनों पहले उनके लाल गेंद से अभ्यास करने की खबरें आ रही थीं। इस फैसले की किसी को उम्मीद नहीं थी। विराट के संन्यास लेने से एक युग की समाप्ति हो गई है। वह सचिन तेंदुलकर की तरह अपना युग कायम करने में सफल रहे। ऐसा कोई खिलाड़ी अपने कॅरियर को विराम देता है, तो क्रिकेटप्रेमियों के दिल टूटते ही हैं। विराट ने सचिन तेंदुलकर के संन्यास से खाली हुई जगह को भरा था। विराट के संन्यास लेने से खाली हुई जगह को कौन भरेगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। विराट ने 123 टेस्ट खेल कर इसकी 210 पारियों में 9230 रन बनाए जिनमें 30 शतक शामिल रहे। उनका औसत 46.85 का रहा।

महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कुछ समय पहले कहा था कि विराट 10,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बनेंगे। इससे पहले गावस्कर, सचिन और द्रविड़ इसे पा चुके हैं पर वह इस कीर्तिमान से 770 रन दूर रह गए। गावस्कर कहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी जब खेलना शुरू करता है तो उसे खेलने में लुत्फ आता है, और यह लुत्फ उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने तक आता रहता है। लेकिन जब खिलाड़ी का लुत्फ आना बंद हो जाता है, तो वह संन्यास जैसा फैसला करता है।

गावस्कर कहते हैं कि लुत्फ नहीं आने के कई कारण हो सकते हैं। विराट के साथ भी ऐसा कुछ हुआ होगा। विराट ने इंस्टाग्राम पर संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्ल्यू पहने 14 साल हो गए हैं। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे किस सफर पर ले जाएगा। अब जब मैं खेल के इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं, जो आसान नहीं है। मैं इसे अपना सब कुछ दिया और इसने मुझे उम्मीदों से कहीं ज्यादा दिया। मैं हमेशा अपने टेस्ट कॅरियर को मुस्करा के देखूंगा। इसने मुझे परखा, आकार दिया और ऐसे सबक सिखाए जिन्हें जीवन भर साथ रखूंगा।

सफेद जर्सी में खेलना निजी अनुभव होता है। यह शांत संघर्ष है, लंबे दिन और छोटे पल हैं, जिन्हें कोई नहीं देखता लेकिन वे हमेशा आपके साथ रहते हैं। टेस्ट मैचों को खेलने के लिए बहुत शारीरिक और मानसिक ताकत की जरूरत होती है। भले ही विराट को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिटनेस वाले खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है पर बहुत संभव है कि वह पांच टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए अपने को मानसिक रूप से मजबूत न पाते हों। वैसे भी हम विराट के 2019 के बाद के प्रदर्शन को देखें तो इसमें बहुत गिरावट आ गई थी। 2024 में उन्होंने खेले 10 टेस्ट में 24.52 के औसत से मात्र 417 रन ही बनाए जिसमें पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले टेस्ट में बनाया एकमात्र शतक शामिल है।

इससे उनके प्रदर्शन में गिरावट को आसानी से समझा जा सकता है। इस खराब प्रदर्शन के साथ ही वह ऑफ स्टंप से बाहर की गेंदों पर ड्राइव करने के प्रयास में लगातार स्लिप और गली में कैच हो रहे थे। इसकी वजह उनके रिफलेक्सस में कमी आना भी हो सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि पिछले साल पहली बार घर में न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज और फिर ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज हारने के दौरान विराट और रोहित शर्मा के खराब प्रदर्शन करने के बाद ही मुख्य चयनकर्ता और कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड दौरे से शुरू हो रही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की नई साइकिल से यंग ब्रिगेड पर भरोसा करने का मन बना लिया था। कहा जा रहा है कि विराट से गंभीर ने कह दिया था कि वह इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हें चुनेंगे जरूर पर इसके बाद से उनके प्रदर्शन को देख कर ही फैसले करेंगे। इससे साफ था कि उन्होंने उनसे आगे देखने का मन बना लिया है।

जहां तक बात विराट के स्वर्णिम प्रदर्शन की है, तो इसमें 2016-18 तक के समय को रखा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने 75 से ज्यादा के औसत से रन बनाए। इस दौरान ही अपने 30 शतकों में से 14 शतक जमाए। यह वही दौर था जब उनके टेस्ट शतकों के मामले में सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन समय बीतने के साथ प्रदर्शन में गिरावट आने से वह 30 शतक पर ही सीमित होकर रह गए। विराट के प्रदर्शन की खूबी यह भी रही कि

उन्होंने घर और बाहर, दोनों जगह बराबरी से रन बनाए।

घर में खेले 55 टेस्ट में 4336 रन और घर से बाहर खेले 68 टेस्ट में 4894 रन बनाए। उनके घर में 14 और बाहर 16 शतक हैं। विराट भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में खेले गए 68 टेस्ट मैचों में से 40 जीते, 17 हारे और 11 ड्रा रहे। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के 60 में से 27 टेस्ट जीत के रिकॉर्ड को तोड़ा था। विराट के रिकॉर्ड तक पहुंचना भावी कप्तानों के लिए आसान नहीं होगा। वह कप्तान के तौर पर सात दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के इकलौते क्रिकेटर हैं। लगातार तीन टेस्ट सीरीजों में दोहरे शतक लगा कर वह डॉन ब्रेडमैन और राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ने में भी सफल हो गए थे। विराट अपने बल्ले से चमक बिखेरने के कारण ही लोकप्रिय नहीं थे, बल्कि मैदान में दिखाई जाने वाली ऊर्जा के लिए भी जाने जाते थे। साथी खिलाड़ियों में भी दम भरने की हिम्मत रखते थे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why FDI investors are turning away from India

THE Organisation for Economic Cooperation and Development (OECD) recently released the data of global inward foreign direct investment (FDI) (what a country receives) and outward FDI (what a country invests in other countries) for the calendar year 2024. India's inward FDI, after peaking at $64.36 billion in 2020, has consistently declined thereafter. It was $44.73 billion in 2021, $49.94 billion in 2022, $28.08 billion in 2023 and $27.61 billion in 2024. India's FDI inflows, in 2024, were 43 per cent less than those in 2020.

Why is India's FDI declining so rapidly? Let me say here, upfront, that the ongoing tensions between India and Pakistan or the fear that the situation in the region may escalate towards a dangerous "nuclear flashpoint" has no bearing on India's FDI crisis.Global investors, especially in the last couple of years, seem to be inured to war, whether between Russia and Ukraine or between Israel and Gaza. The fact is, that India's problems are much deeper.Inward FDI is made up of three components — one, new FDI inflows (an Indian company receives new/additional FDI); second, capital repatriation/disinvestments (an existing FDI exits or partially sells its stake); and third, retained and reinvested earnings (share of profits attributable to FDI investors, not distributed as dividends).India's FDI stock now exceeds $1 trillion (it began to be counted from 2000) as per data published by the Department for Promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT).In 2023-24, as per the RBI, the gross inflow of FDI (investment inflows plus reinvested earnings) amounted to $70.94 billion whereas the repatriation/disinvestment of the FDI stock totalled $44.47 billion, resulting in actual inward cash/new FDI inflow of $26.47 billion. Retained and reinvested FDI in 2023-24, as per the DPIIT, amounted to $19.77 billion. Thus, India received net cash inward FDI of $51.17 billion ($70.94 billion minus $19.77 billion). If we take out $44.47 billion, which went out as disinvestment/ repatriation, the net inward cash FDI was only $6.70 billion. It is quite paltry.

The DPIIT and RBI data, put together, informs that, in 2020-21, 2021-22, 2022-23 and 2023-24, net cash FDI amounted to $37.99 billion, $36.88 billion, $22.90 billion and $6.70 billion respectively. Net cash FDI decline got accelerated over the last two years. Why?Retained/reinvested earnings were fairly stable during these four years — $16.94 billion, $19.35 billion, $19.12 billion and $19.77 billion, respectively. New FDI inflows increased from $81.97 billion in 2020-21 to $84.84 billion in 2021-22 and, thereafter, declined, though moderately, to $71.36 billion in 2022-23 and $70.94 billion in 2023-24. It is the massive acceleration in repayments/ disinvestments in these four years that explain the big decline in net cash FDI inflows from $27.05 billion in 2020-21 to $28.61 billion in 2021-22, $29.35 billion in 2022-23 and $44.47 billion in 2023-24.

The net new cash FDI inflow situation is not looking any better in 2024-25 either.The DPIIT data informs that India received gross FDI inflows of $62.48 billion during April-December 2024-25, of which, $16.87 billion was reinvested/retained earnings. As per the RBI, repatriation/disinvestment accelerated further during this period, amounting to as high as $44 billion (almost equalling $44.47 billion in entire 2023-24).This large outflow of FDI stock shrank the gross inward FDI inflow to only $18.49 billion. Taking out retained/reinvested FDI of $16.87 billion, the net cash inward FDI inflow turned out to be only $1.61 billion in the nine months of 2024-25. The RBI data for January-February 2025 suggests that acceleration in repayments/ disinvestments continued in the last quarter. There is a likelihood of the new net cash FDI inflow in 2024-25 to be close to zero, if not in the negative.Why are FDI investors turning away from India? Four major factors seem to explain.

First, Make-in-India and Production-Linked Incentive (PLI) initiatives, expected to attract FDI flying out of China post the US' China+1 policy to India, have failed miserably.

Feminine value of caring must matter in our economies

The devaluing of 'feminine' attitudes and work, of caring for humans and for Nature, has destroyed civilisation.

Walking through the park in the morning, I saw a female lapwing sitting on her nest in the ground behind the bushes. She had produced some eggs in her body, laid them in the nest and was patiently warming them with her body for new lives to emerge. The next morning, she was still there. Where was the male lapwing, I wondered? There was no sign of him. Perhaps, he was foraging for food for himself and her.

Why is it that in all species, the females must labour to produce and nurture new life? Feminists say this is unfair to the female sex. Do these feminists want to free females of all species from their labour of producing life and to make them free (like men) to compete with others for enough food for their families?

I also wonder why industrialised countries want to protect the beauty of endangered species, who live and reproduce naturally like all species do, in reservations unspoiled by humans? What are they missing in their own 'civilised' lives?For homo economicus — modern, economic man — all Nature and all humans are merely 'resources' to be exploited efficiently. He does not value 'feminine' work of nurturing and caring because it does not add monetary value to the economic enterprise.Women, who feel their natural work is not valued, and are treated as lesser human beings, are motivated for equal opportunities to compete with men in their enterprises. This is the demand of the modern feminist movement. At every level of a hierarchical enterprise, there must be equal numbers of men and women."For the first time in history, a woman has a general sense of herself as an individual apart from men," says philosopher John Ralston Saul in 'Voltaire's Bastards: The Dictatorship of Reason in the West'."This self-confidence gives her drive and makes her want to succeed. As a result, she is eager to join the system. Her enthusiasm makes her work harder and usually do a better job than the equivalent male. As a result, the talented female tends to become an effective defender of the system (in which natural feminine work has little value)."

Hazel Henderson was an active feminist, who wrote 'Creating Alternative Futures: The End of Economics' in 1978. She pointed out: "The values and attitudes that are favoured and vested with political power are the typical masculine values —competition, domination, expansion, etc. — while those most neglected and often despised — cooperation, nurturing, humility, peacefulness — are designated as female."

Henderson explains, "The masculine values are essential for the male-dominated industrial system to work but feminine values are most difficult to operationalize."

She ascribes values of humility and cooperation to women and values of domination and competition to men. This is not an industrial-era idea. It is as old as recorded history and is embedded in the religions of the West and East, where the supreme God is invariably in the image of a man.Henderson points out that throughout history, men have designed forms of large organisations to embody masculine values of domination and competition to produce large-scale results and expand their powers.On the other hand, women nurture families and communities with values of humility and cooperation. The feminine concept of

an organisation is a family; the masculine concept of an organisation is a factory.Henry Ford introduced mass production to the automobile industry. Humans, each doing a small task repetitively, were fitted into a large economic machine. Ford complained, "Why is it when I want only a pair of hands, I get a whole human being?" He wanted to use only human labour without bothering about human needs for dignity and respect.

Factory forms of organisation have spread from manufacturing into service industries. 'White collar' workers are pigeonholed to perform small tasks within large, financial services, retail and software companies, where they work for long hours to earn wages.The productivity of enterprises is improved with this form of organisation, while the family lives of the workers pulled out of their homes are destroyed.

Computers, robots and artificial intelligence are enabling employers to replace emotional humans. Thereby, investors' 'ease of doing business' is improved; while the 'ease of living' of common citizens, who must work and earn enough to live well reduces.When Mahatma Gandhi was asked what he thought of western civilisation, he replied, tongue-in-cheek, "It would be a good idea." The devaluing of 'feminine' attitudes and work, of caring for humans and for Nature, has destroyed civilisation.Societies have been converted into economies, with the presumption that when the size of an economy — its GDP — increases, the well-being of citizens and, hopefully, harmony within societies will improve.

This thesis has been at the core of the science of economics that emerged in the twentieth century. History has proven thesis wrong.The pursuit of more GDP, regardless of its impacts on the environment and human well-being, has brought the world to an environmental crisis — with depleting water resources, mounting dumps of garbage on land, rivers and oceans and the atmosphere over-loaded with pollutants.Demographics have changed along with rapid growth. Women in the 'Asian miracle' economies — Japan, Korea, Singapore, China — are not having enough children despite their governments' efforts to motivate them.Meanwhile, their populations are ageing. Who will provide care for older persons if there are not enough younger persons to support them, and to provide tax revenues for governments' pension schemes?At the same time, in 'yet-to-develop' economies, like India's, younger persons are having a very hard time getting jobs with decent wages.

"Bharat Mata ki Jai" is a jingoist rally for citizens to work and fight for the honour of their country. Those who cry it should pause to think what it means. Societies that do not nurture 'feminine' values of caring for others and economies in which the 'natural' work of women has no value, are doomed.

PM's firm message

Talks and trade can't go with terror

Prime Minister Narendra Modi's address to the nation on Monday night was a strategic line in the sand. His words — "Terror and talks cannot go together, terror and trade cannot go together, and water and blood cannot flow together" — were aimed not just at Pakistan but also at the international community. India will no longer play by the old rules where diplomacy coexisted with terrorism, or where international pressure blurred accountability. Operation Sindoor, the swift and calibrated response to the barbaric April 22 Pahalgam terror attack, marked a tectonic shift in the country's security posture. The Indian Army, Navy and Air Force executed a coordinated precision strike across nine terror-linked targets in Pakistan-occupied Kashmir and deep inside Pakistan's military zones, including Karachi's Malir cantonment

and Lahore's radar hubs. The downing of a Pakistani Mirage jet was demonstrative of resolve.India's restraint in avoiding civilian targets, even while dismantling a fifth of Pakistan's air infrastructure, speaks volumes. This was not mindless retaliation; it was calibrated justice. And the use of indigenous platforms like Akash air defence systems and counter-drone tech reflects military strength as well as strategic maturity. By calling out Pakistan for holding state funerals for slain terrorists, the Prime Minister made one thing clear: India's only agenda with Islamabad is the end of terror and the return of PoK. Everything else, including the Indus Waters Treaty, is now on the table. Modi claimed the ceasefire came at Pakistan's request, not under international pressure, effectively silencing voices claiming third-party mediation (read US President Trump).The era of surgical caution is over. Operation Sindoor has redrawn the rules of engagement. It is India's new doctrine. The onus is now on Pakistan to respect the rules.

The hyphen stays between India, Pak

'New normal' of treating every terror attack as an act of war is unsustainable in practice

PRIME Minister Narendra Modi has kept his promise to the country and demonstrated resolve by carrying out a muscular retaliation against Pakistan, striking terrorist targets at nine places, three of them in the Punjab province, and the remaining in Pakistan-occupied Kashmir. This is the first time that India has carried out attacks in the Pakistani heartland since the 1971 war. Unlike that conflict, or the Kargil war of 1999, which produced a clear winner and loser, the outcomes of this near-war are not as unambiguous, and have to be extricated from the fog of disinformation and the silences on both sides. The best that can be said about it is that it was a stalemate.May 10. The government has said that 100 terrorists were killed. It appears that the most ambitious target, Jaish-e-Mohammed's Markaz Subhanallah in Bahawalpur, has been substantially destroyed; similarly, the Lashkar-e-Taiba's Muridke headquarters. The Pakistan Army's attendance at the funerals in Bahawalpur and Muridke is confirmation that there is little daylight between these groups and the Pakistani state.

However, the damage caused to these organisations is not permanent. Nor will the strikes have caused a rethink in the Pakistani establishment about its policy of using terrorist proxies to bleed India in Kashmir and elsewhere. Thus, it cannot be said with certainty that these strikes have ensured there will never be another terror attack from Pakistani soil on India. This uncertainty is implicit in the government's declaration that any future act of terror will be treated as an act of war. The May 7 response was bigger in scale and more ambitious in terms of targets than the 2016 "surgical strike" or the 2019 Balakot response, but its deterrence value will remain in the category of "known unknowns" for as long as terrorist groups with a special focus on India continue to operate on Pakistani territory.

On the military front, gains and losses will acquire more clarity with the passage of time. As the conflict escalated, India's ability to fend off the waves of drones unleashed by Pakistan on May 7, 8

and 9 and protect both civilian areas and military installations came to the fore in a dramatic fashion on television screens. India also hit the strategically important Chaklala airbase, located in Rawalpindi, and other bases. Pakistan's military headquarters and the Strategic Plans Division are also in Rawalpindi.For now, the statement by Air Marshal AK Bharti, Director General of Operations of the Indian Air Force, that "losses are part of combat" appears to be a veiled acknowledgement of the reported loss of an undetermined number of Indian fighter jets — in response to the sighting of wreckage at Bathinda in Punjab and Pampore in the Kashmir valley in the early hours of May 7, and claims by the Pakistani side that its air force had downed five aircraft.This claim has been made in several credible international media outlets, some quoting Western officials. For the West, this combat was as much about India-Pakistan and its nuclear risks as it was about France's Dassault vs China's Chengdu Aircraft Industry Group. The IAF has the Dassault-manufactured Rafale fighters, and the Pakistan Air Force has the Chinese-made J10 fighters. In one indication, Dassault's share prices have crashed since the morning of May 7. Other indications may come from how India's relationship with Dassault evolves.ndia's reported losses may also have potentially far-reaching consequences for its regional and international diplomacy. China's assistance helped Pakistan on the battlefield, how this impacts Delhi's moves to normalise its relationship with Beijing over the last few months has to be seen. India's neighbours, ever playing India against China, would have taken away their own messages from the four days.In the larger diplomatic arena, one of the factors underpinning the India-US relationship, and India's importance as a member of the Quad, is its perceived role as a counterweight to China in the Indian Ocean Region. From Taiwan to Tokyo, Canberra to Washington, this India-Pakistan encounter is being studied for its wider implications in the Asia-Pacific domain.Many of India's friends in the West counselled restraint and dialogue with Pakistan; there was no condemnation of Pakistan for enabling terrorism. India's efforts to turn the IMF into the UN Security Council failed to prevent approval of another tranche of its bailout package to Pakistan. The US statement of solidarity with India after the terrorist attack changed to equivocation on India and Pakistan. As the conflict began, the US's initial hands-off "this is none of our business" approach turned within hours to outright "mediation". According to some reports, the turning point was India's hit on Chaklala. Other reports speak of Pakistan signalling that it was preparing to bring out its nuclear arsenal.In his book India's Pakistan Conundrum, Managing a Complex Relationship, Sharat Sabharwal, who was the High Commissioner to Pakistan in the difficult post-26/11 years, made an observation about the future of the relationship from the experiences of the past: "Being neighbours, India and Pakistan cannot wish each other away. When they have not been talking across the table, they have often done so through guns. Each time guns become too loud, it has brought the intervention of influential countries to defuse the situation".This is how the Kargil war ended, how the standoff in 2019 was resolved. And it is how the rapidly escalating conflict between the two neighbours was called off in the afternoon of May 10. In a final flourish, Trump, who is yet to taste success in his effort to end Russia's war in Ukraine, was the first to announce the ceasefire with a post on his Truth Social and his role in it, not officials of the two sides. For good measure, he also threw in an offer to help bring about a resolution to the Kashmir issue.If Pakistan's intention was to draw international attention to Kashmir, last week's conflict has achieved that. It has also reversed years of diplomatic efforts by Delhi to de-hyphenate itself from Pakistan, especially after making constitutional changes in Jammu & Kashmir and abolishing its "special status.

Sensex, Nifty Open Higher After Inflation Cools, Geo-Political Tensions Ease

Mumbai. The Indian frontline indices opened in the green on Wednesday after retail inflation hit multi-year low and geo-political tensions eased.

At around 9:25 am, Sensex was up 414 points or 0.51 per cent at 81,562 and Nifty was up 136 points or 0.55 per cent at 24,712.Buying was seen in the midcap and smallcap stocks. Nifty midcap 100 index was up 510 points or 0.92 per cent at 56,030 and Nifty smallcap 100 index was up 132 points or 0.78 per cent at 17,035.On the sectoral front, all indices were trading in the green. Auto, IT, PSU bank, FMCG, metal, energy, infra and PSE were major gainers.“After a positive opening, Nifty can find support at 24,500 followed by 24,400 and 24,300. On the higher side, 24,700 can be an immediate resistance, followed by 24,800 and 24,850," said Hardik Matalia from Choice Broking.

In the Sensex pack, Tata Steel, Bharti Airtel, Tech Mahindra, Infosys, Eternal, HCL Tech, M&M, Bajaj Finserv, L&T, TCS, SBI and NTPC were major gainers. On the other hand, Tata Motors, Asian Paints, IndusInd Bank, HUL, Nestle and Kotak Mahindra Bank were major losers.

Earlier, India’s retail inflation fell to 3.16 per cent in April from 3.34 per cent in March, to its lowest level since July 2019.“With crude oil prices sharply easing, domestic demand softer, and food prices contained, we expect the RBI to cut rates aggressively,” said Devarsh Vakil, Head of Prime Research at HDFC Securities.The Asian stock markets were trading in a mixed zone. Hong Kong, Shanghai, Seoul and Jakarta were in the green, while Japan and Bangkok were in the red.The US markets closed in the mixed zone on Tuesday. Main index Dow Jones ended in the red and technology index Nasdaq closed higher for a second straight day after softer-than-expected inflation numbers.

The foreign institutional investors (FIIs) sold equities worth Rs 476 crore on May 13, while domestic institutional investors (DIIs) extended their buying on the third day as they bought equities of Rs 4,273 crore on the same day.

Don't just look rich': CA shares 7 habits to build lasting wealth

New Delhi. In today’s fast-paced world, where headlines scream about recessions, market volatility, and inflation, it’s easy to get caught up in the idea of flashy spending and trying to "look" rich. But true wealth isn’t about showing off – it’s about building a solid foundation that can withstand anything life throws at you and is about making your money work for you.CA Nitin Kaushik, recently shared a social media post on how to thrive financially, even during uncertain times.

He wrote on X, “Most people hustle for money. But the real flex? Making your money hustle for YOU.”He gave seven practical, no-nonsense habits that will help you build lasting wealth and financial independence.Kaushik shared, “2 months’ salary saved = No more end-of-month panic, Emergency fund (3-6 months) = Job loss? Medical bills? You’re covered, 5-7% for luxury guilt-free = Life’s short, buy the damn shoes (within limits).”He explained that the first step to financial freedom is breaking the paycheck-to-paycheck cycle. By saving two months' worth of your salary, you’ll ensure you're not always one emergency away from financial panic. This safety net will give you the confidence to handle unexpected expenses without stress.Next, Kaushik advised to having a safety cushion, which should cover you for 3 to 6 months in case of a job loss, medical emergency, or any unforeseen event. Put this money in a high-interest fixed deposit, liquid mutual fund, or a sweep-in account. Whether it's a job loss or a medical emergency, you’ll have peace of mind knowing you’re covered.

He also suggesting setting aside 5-7% of your income for guilt-free spending. This could be on travel, hobbies, or things that make you happy. The key is to enjoy life without derailing your financial goals.

GRSE, Cochin Shipyard, Mazagon Dock shares rise up to 17%: Good time to buy

New Delhi. Several defence stocks surged sharply on Wednesday, led by strong gains in public-sector shipbuilders. Shares of Cochin Shipyard, Garden Reach Shipbuilders & Engineers (GRSE), and Mazagon Dock jumped as much as 17% in early trade, lifting the Nifty India Defence index over 4%.

At 12:17 pm, shares of Cochin Shipyard were trading 10.37% higher at Rs 1,740.80, while GRSE was trading 15.92% higher at 2,220. Mazagon Dock Shipbuilders was also up over 5%.The rally reflects renewed investor confidence in the sector, driven by a confluence of robust earnings, order visibility, and sustained policy support for indigenisation.The shipyard stocks have been on a steady climb for weeks. Mazagon Dock has gained nearly 20% over the past month, while niche defence firms such as Paras Defence and Data Patterns have soared up to 42% during the same period.According to Axis Securities, the recent spike in defence shares has been fuelled by expectations of fresh orders following India’s military skirmish with Pakistan. The escalation, the brokerage noted, has highlighted the strength of India’s homegrown weaponry and bolstered the case for increased procurement.Antique Stock Broking, in a separate note, projected a threefold jump in order inflows for listed defence shipyards by FY27, as the Defence Acquisition Council’s approvals worth Rs 8.45 lakh crore begin to materialise.GRSE, one of the standout performers in the current rally, reported a net profit of Rs 527 crore for FY25, up 48% from the previous year. The company posted a record Rs 244 crore profit in the March quarter alone—more than double its performance a year ago.The stock has gained 34% this year and is up 125% over the last twelve months. The management remains confident of sustaining this growth, citing a strong pipeline of orders.

Lowest In 13 Months: India's WPI Inflation Eases To 0.85% In April 2025

New Delhi: India's Wholesale Price Index (WPI) inflation eased at 13-month's low to 0.85% for the month of April 2025 as compared to the same period last year, official data have shown.

New Delhi. India's Wholesale Price Index (WPI) inflation eased at 13-month's low to 0.85% for the month of April 2025 as compared to the same period last year, official data have shown."The annual rate of inflation based on all India Wholesale Price Index (WPI) number is 0.85% (provisional) for the month of April, 2025 (over April, 2024). Positive rate of inflation in April, 2025 is primarily due to increase in prices of manufacture of food products, other manufacturing, chemicals and chemical products, manufacture of other transport equipment and manufacture of machinery and equipment etc," Ministry of Commerce & Industry release said.The index for Primary Articles decreased by 0.11% to 184.4 (provisional) in April, 2025 from 184.6 (provisional) for the month of March, 2025. Price of crude petroleum & natural gas (-5.31%) and non-food articles (-1.78%) decreased in April, 2025 as compared to March, 2025. The price of minerals (7.81%) and food articles (0.36%) increased in April, 2025 as compared to March, 2025.The index for Fuel & Power decreased by 2.82% to 148.1 (provisional) in April, 2025 from 152.4 (provisional) for the month of March, 2025. Price of mineral oils (-3.95%) and electricity (-1.38%) decreased in April, 2025 as compared to March, 2025. The price of coal (0.22%) increased in April, 2025 as compared to March, 2025.The index for Manufactured Products increased by 0.35% to 144.9 (Provisional) in April, 2025 from 144.4 (Provisional) for the month of March, 2025. Out of the 22 NIC two-digit groups for manufactured products, 16 groups witnessed an increase in prices, 5 groups witnessed a decrease in prices and 1 group witnessed no change in prices. Some of the important groups that showed month-over-month increase in prices were manufacture of basic metals; chemicals and chemical products; fabricated metal products, except machinery and equipment; machinery and equipment and other manufacturing etc. Some of the groups that witnessed a decrease in prices were manufacture of textiles; pharmaceuticals, medicinal chemical and botanical products; paper and paper products; wearing apparel and printing and reproduction of recorded media etc in April, 2025 as compared to March, 2025.

NDA vs UPA: Who Controlled Retail Inflation Better Modi Govt’s Strategy Explained

New Delhi. PM Narendra Modi-led NDA government had done a much better job in controlling retail inflation — especially in food and fuel — compared to the UPA era. According to a post by BJP leader Amit Malviya on the X social media platform, “double-digit inflation (over 10 per cent) seen during the UPA era is no longer a concern, reflecting effective governance and price control in the past decade”.“Since 2014, retail inflation has not crossed 8 per cent, in contrast to the UPA’s 2004–14 average of 8.1 per cent, with 10.4 per cent during 2009–14,” he mentioned, citing the official data. On the other hand, from January 2012 to April 2014 period during the UPA government, inflation was above 9 per cent in 22 out of 28 months, hitting double digits nine times.Malviya, the BJP Information Technology cell chief, pointed out that retail inflation in April 2025 fell to 3.16 per cent, the lowest in nearly 6 years, continuing a downward trend. For FY 2024-25, retail inflation was 4.6 per

cent, the lowest since 2018-19, marking three consecutive years of decline.“Overall, the data indicates better inflation control, especially in food and fuel, under the NDA government compared to the UPA era,” he observed. The BJP-led NDA government had succeeded in containing inflation with the implementation of concrete steps such as PM Garib Kalyan Anna Yojana which provides more than 80 crore citizens with free rations (extended till 2029), ‘Bharat’ brands launched for retail sale of cereals and pulses at affordable rates through NAFED, NCCF and Kendriya Bhandar.

Besides, under the Price Stabilisation Fund, a dynamic buffer stock of pulses is maintained and calibrated release of stocks from the buffer is done to ensure the availability and affordability of pulses to consumers. The government is continuously offloading the wheat and rice from the central pool under Open Market Sale Scheme to augment availability in the market and control retail prices.As far as fuels are concerned, the LPG subsidy and the price of cylinders has been reduced to benefit both PM Ujjwala and regular consumers, prices of non-subsidised LPG were reduced by Rs 100 per 14.2 kg cylinder, effective March 9, 2024.

Microsoft To Lay Off Over 6,000 Employees In Largest Job Cuts Since 2023

New Delhi. Microsoft is gearing up for another round of job cuts. This is set to affect around 3 per cent of its global workforce. This means more than 6,000 employees across various roles and regions could be let go. It’s the company’s biggest round of layoffs since it slashed 10,000 jobs in 2023.The move comes as even strong-performing tech companies are cutting jobs—just last week, cybersecurity firm CrowdStrike said it would lay off 5 per cent of its staff, showing how workforce reductions are becoming more common across the industry.While Microsoft hasn’t shared details about which roles or departments were impacted. The tech giant said the layoffs are part of its long-term plan to stay flexible and focused on areas like AI, cloud computing, and evolving customer demands.Microsoft is still in strong financial shape and reported a 25.8 billion dollars net income for the quarter ending in April and

beating analyst expectations. It also shared a positive outlook for the near future. However, the company says the restructuring is aimed at cutting down on management layers and improving efficiency—similar to what Amazon recently did when it trimmed jobs, pointing to “unnecessary layers” in its operations.

The layoffs also align with changes in how Microsoft handles employee performance. According to documents reviewed by Business Insider, the company has introduced a two-year rehire ban for workers let go due to performance-related issues.Microsoft has also introduced a new “good attrition” metric to track and encourage the exit of underperforming employees. The approach is similar to Amazon’s controversial “unregretted attrition” model and reflects Microsoft’s focus on stricter performance management.

Explained: Why RBI is reviewing EV wallets after BluSmart collapse

The central bank has initiated informal discussions with EV charging point operators and other app-based service providers to assess potential consumer risks tied to such platforms.

New Delhi. The Reserve Bank of India is closely examining digital wallets used by electric-vehicle platforms, following the abrupt collapse of BluSmart, which left thousands of users unable to access funds stored in its app wallet, reported Bloomberg News.According to people familiar with the matter, the central bank has initiated informal discussions with EV charging point operators and other app-based service providers to assess potential consumer risks tied to such platforms.The trigger was the financial distress faced by users who had loaded money into BluSmart’s so-called closed-loop wallet—a payment mechanism that allows transactions only within the app’s own ecosystem.Unlike open-system wallets regulated under RBI's purview, closed-loop wallets

currently operate in a grey area, with limited oversight. This lack of direct regulation makes them especially vulnerable when a platform goes bust.

In BluSmart’s case, users were informed last month that it could take up to 90 days to recover their prepaid balances. The delay, coupled with the company’s broader financial troubles and alleged fraud, has put a spotlight on the growing but loosely regulated use of such wallets within India’s digital services landscape—particularly in the EV space.Sources told Bloomberg that the RBI is now considering a set of policy options. Among them: mandatory escrow accounts to ringfence consumer funds, and possibly extending elements of the existing Prepaid Payment Instruments (PPI) framework to larger closed-loop wallets. These measures would be similar to those already in place for payment aggregators.No formal stance has been announced yet. However, a move toward tighter rules could reshape how app-based businesses handle customer funds, especially in sectors where prepaid models are central to user engagement.

Tata Motors share price target: Stock plunges 2% post Q4 Results; what Nuvama said

Despite announcing a final dividend of Rs 6 per share, the brokerage firm Nuvama downgraded Tata Motors' rating, citing challenges like the discontinuation of Jaguar models, market share loss in China, and US tariffs.

New Delhi. Tata Motors shares on Wednesday (May 14) dropped nearly 2 percent sharply after the automobile major declared its Q4 2024-25 Results on Tuesday. In its January-March quarter results, the company reported a 51 per cent decline in consolidated net profit. The stock traded at Rs 695.65 per equity share at 12:10 pm.Tata Motors’ Board of Directors have recommended a final dividend of Rs 6/- per share subject to approval by the shareholders.Brokerage firm Nuvama has maintained a Reduce rating on Tata Motors shares after Q4 results 2025. The firm has recommended a share price target of Rs 670. It had earlier set a target of Rs 720.

Nuvama said that Tata Motors faces major challenges due to “discontinuance of ‘Jaguar’ models, loss of market share in China and tariff implementation in US”.

Tata Motors Q4 2024-15 Results

In its regulatory filing, Tata Motors mentioned a 51 percent drop in consolidated net profit to Rs 8,556 crore in the last quarter of FY25 as compared to the net profit of Rs 17,528 crore in the same quarter of the previous fiscal year.Total revenue from operations: Rs 1,19,503 crore in January-March quarter, while it was Rs 1,19,033 crore in the same quarter of 2023-24.For the 2024-25 fiscal year, Tata Motors’ consolidated net profit stood at Rs 28,149 crore, while it was Rs 31,807 crore in 2023-24. The total revenue in the previous financial year was recorded at Rs 4,39,695 crore, as compared to Rs 4,34,016 crore in FY24.

Tata Motors noted that tariffs and related geopolitical actions are making the operating environment uncertain and challenging.

Commenting on the Tata Motors quarterly results, PB Balaji, Group Chief Financial Officer, Tata Motors said: “Despite external headwinds, Tata Motors sustained its strong performance in FY25, delivering its highest ever revenues and PBT(bei). On a consolidated basis the automotive business is now debt-free, reducing interest costs. This is both pleasing and significant as it reflects healthy business fundamentals delivered by a resilient team. Drawing strength from it, in this environment of heightened uncertainty, we will remain agile, proactively drive our growth agenda, reduce our cash breakeven further whilst continuing to invest in our future. With the shareholders also approving the demerger, we are on track to realise the full potential of each of the businesses.”

'Have Pahalgam terrorists been found?' CPM leader questions Operation Sindoor

Communist Party Of India (Marxist) Rajya Sabha MP Bikash Ranjan Bhattacharya, during an interview, questioned if the goals of Operation Sindoor have been achieved. He asked if any terrorist involved in the Pahalgam terror attack had died.

New Delhi. Communist Party of India (Marxist) Rajya Sabha MP and senior advocate Bikash Ranjan Bhattacharya has questioned the goals and consequences of Operation Sindoor, a military operation carried out by Indian armed forces in retaliation against the Pahalgam terror attack. He asked if India had found a single terrorist and if any terrorist involved in the Pahalgam attack had died during the operation.

His comments, made during an interview with Aaj Tak Bangla, have sparked a political controversy, considering the support from all Indian political parties for the government's actions against Pakistan.

Bhattacharya questioned whether Operation Sindoor had actually achieved its goals. He said that everyone had a question in their mind about the location of the terrorist bases, adding that while India claimed to have destroyed terrorist bases, Pakistan said it they were civilian areas. He said that this distinction needed to be clarified, adding that otherwise it would resemble "Israel's justification of its actions by labelling Palestinians as terrorists".

When asked about the Indian Army's claim that it had destroyed nine terror camps in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, Bhattacharya questioned whether India had found a single terrorist. He pointed out that even the official statements mentioned only family members had been killed.

He argued that if someone was identified as a terrorist, but their wife and mother were killed in their absence, it could not be considered an achievement. He added that those in power must take responsibility.

Bhattacharya, who is also a former Mayor of Kolkata, further said that the Indian Army claims it has destroyed targets. "I will believe our army. But Pakistan says civilians were killed. We should not mistrust anyone without facts. Has any terrorist involved in the Pahalgam attack died? Have any of them been caught? If I'm a militant, it doesn't mean my family is militant. These are acts against humanity," he said.

On being asked if his statements questioned the Indian Army's actions, Bhattacharya said, "What the Army is claiming may have justification, but what were the results? They think they destroyed 10 places - that needs to be assessed.

We still demand answers about who was behind the Pahalgam incident. I haven't seen any analysis of what led to Pulwama either. If such incidents keep happening, and we just respond by bombing some locations and claiming success, that isn't a real achievement."

India Reminds China Of The "Undeniable Reality" Of Arunachal Pradesh

New Delhi. India has once again issued a strong rebuttal to China's attempts to rename certain places in Arunachal Pradesh, which Beijing refers to as "Zangnan," or the southern part of Tibet. The Ministry of External Affairs (MEA), responding to a fresh round of Chinese place-naming initiatives, dismissed the exercise as futile and reiterated India's stance on the status of the state.

"We have noticed that China has persisted with its vain and preposterous attempts to name places in the Indian state of Arunachal Pradesh," MEA spokesperson Randhir Jaiswal stated on Wednesday. "Consistent with our principled position, we reject such attempts categorically. Creative naming will not alter the undeniable reality that Arunachal Pradesh was, is, and will always remain an integral and inalienable part of India," the External Affairs ministry said in a statement.

China, which claims Arunachal Pradesh as part of its territory, has often released maps with several places within the northeastern state renamed. In 2024, China released a list of 30 new names of various places in Arunachal Pradesh, which India categorically rejected. The boundary dispute between India and China over Arunachal Pradesh has been a longstanding source of friction. The region shares a border with China's Tibet Autonomous Region. Beijing claims the state as part of historical Tibet, while New Delhi has administered it as an integral part of India since independence in 1947 and the subsequent consolidation of its northeast.

The territorial dispute over Arunachal Pradesh has, in recent years, been accompanied by concerns over the use of water resources in the region. At the centre of these concerns is China's decision to construct what is expected to be the world's largest hydroelectric dam on the Yarlung Tsangpo river in Tibet's Medog County-just before the river bends and flows into India as the Siang, and later becomes the Brahmaputra in Assam.

Anti-terror agency arrests 2 accused of 2024 Manipur village murder, arson case

New Delhi. The National Investigation Agency (NIA) has arrested two persons belonging to banned militant groups for their involvement in the brutal killing of a woman and burning and looting of houses by armed militants in Zairawn village in Jiribam district of Manipur in November last year, officials said.

Accused Nongthombam Meiraba, who hails from Bishnupur district and belongs to the proscribed insurgent group United National Liberation Front (UNLF), was involved in the actual shooting of the woman, identified as Zosangkim.The other accused, Sagolsem Sanatomba of Thoubal district, was a member of the Kanglei Yawol Kanna Lup (KYKL), another insurgent outfit in Manipur, and was part of the team involved in the carnage.The two accused are in NIA custody till May 17 in the case, in which investigations are continuing.

Former Defence Secretary Ajay Kumar Appointed UPSC Chairman

New Delhi. Former defence secretary Ajay Kumar was on Tuesday appointed chairman of the UPSC, according to a Union Personnel Ministry order.

The post of Union Public Service Commission (UPSC) chairman fell vacant after the completion of Preeti Sudan's tenure on April 29.Mr Kumar's appointment

was cleared by President Droupadi Murmu, according to the order.A 1985-batch retired Indian Administrative Service (IAS) officer of the Kerala cadre, Mr Kumar worked as defence secretary from August 23, 2019, to October 31, 2022, according to his service records.

The UPSC -- which conducts civil services examinations to select officers for the IAS, Indian Foreign Service (IFS) and the Indian Police Service (IPS), among others -- is headed by a chairman and can have a maximum of 10 members.At present, there is a vacancy of two members in the commission.A UPSC chairman is appointed for a term of six years or until attaining 65 years of age.

How can we just pack up and leave, ask Madrasi Camp residents

NEW DELHI. "This has been our home for sixty years now. How can we just pack up and leave all of a sudden?" said 67-year-old Lakshmi Sunil, who moved to Jangpura's Madrasi camp as a young child.In an order on May 9, the Delhi High Court directed the Delhi government's Public Works Department to begin demolishing the camp, inhabited mostly by migrants from Tamil Nadu, starting from June 1.

"The rehabilitation of the Madrasi Camp dwellers is essential for the de-clogging of the Barahpullah drain. None of the dwellers can claim any rights beyond the right of rehabilitation, as the land is public land which is encroached upon," the court said in its order. Of the 370 families residing in the area, only 189 have been found eligible for rehabilitation under the Delhi Slum and Jhuggi Jhopri Rehabilitation and Relocation Policy, 2015.The remaining families will be rendered homeless.A solemn mood prevailed in the camp on Tuesday as residents pondered their uncertain future.

A group of elderly women, most of whose families did not make the cut for rehabilitation, had gathered near the entrance to the camp to discuss the matter. "We have built this community from scratch over the decades. We do not know any other way of life," said a distraught Rani.Most of the women in the camp work as domestic help in the more affluent localities nearby. "We have no choice but to remain in this area. But how are we to pay 10,000 rupees as rent if we earn less than that?" she asks.

Creative naming can't alter reality: India rejects China's Arunachal renaming

New Delhi. India firmly rejected China's latest attempt to rename several locations in Arunachal Pradesh, reiterating that the state remains an integral part of the country. This comes two days after China's Civil Aviation Ministry on May 11-12 released new names for 27 locations in Arunachal Pradesh in another attempt to assert claims over Indian territory.

In a strongly worded statement, the Ministry of External Affairs (MEA) said on Tuesday, "We have noticed that China has persisted with its vain and preposterous attempts to name places in the Indian state of Arunachal Pradesh."

The MEA added, "Consistent with our principled position, we reject such attempts categorically. Creative naming will not alter the undeniable reality that Arunachal Pradesh was, is, and will always remain an integral and inalienable part of India."

The MEA's reaction comes after China's repetitive attempt to assert its claim on Arunachal Pradesh.Earlier in April 2024, China had released a fourth list of 30 new names of various places along the line of actual control (LAC) in India's northeastern state of Arunachal Pradesh last year in 2024. This was not the first time China tried to rename places inside Indian territory.China released a list of so-called 'standardised' geographical names in Arunachal Pradesh, which Beijing recognises as Zangnan, state-run Global Times reported. The 30 places renamed by Bejing include 12 mountains, four rivers, one lake, one mountain pass, 11 residential areas and a piece of land. Apart from the list of names, the Chinese ministry also shared detailed latitude and longitude and a high-resolution map of the areas.

INS Vikrant-led 36-ship armada was in position to hit Karachi: Sources

New Delhi. In a significant escalation of maritime readiness, the Indian Navy deployed 36 frontline naval assets, including INS Vikrant and several submarines, near Karachi during Operation Sindoor, according to sources. This marked a sharp contrast to the six warships mobilised during the 1971 operations targeting the city.

Following the recent terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam in which 26 people were killed, India launched a tri-pronged pressure strategy on Pakistan. The Navy was placed on high alert, prompting Pakistan to issue NAVAREA warnings amid fears of a possible naval strike.

At the heart of the deployment was the Carrier Battle Group INS Vikrant, sources said, accompanied by 8 to 10 warships, forward deployed into the Arabian Sea. This marked one of the Indian Navy's largest real-time operational movements outside routine peacetime exercises.

The deployment included seven destroyers equipped with BrahMos missiles, Medium-Range Surface-to-Air Missiles (MRSAM), and Varunastra heavyweight torpedoes, capable of engaging surface, aerial, and underwater threats. Also in position were seven stealth guided-missile frigates, including the newly inducted INS Tushil, forming a formidable naval wall off the western coast.An estimated six submarines operated in close coordination below the surface, adding a stealth component to India's maritime posture. The operation also saw participation from fast attack crafts and missile boats, bringing the total number of assets to around 36—outnumbering the Pakistan Navy, which currently fields fewer than 30 warships.

Pakistan's naval fleet reportedly remained confined within Karachi harbour, unable to respond effectively due to the Indian Navy's overwhelming presence. The heightened risk even led to international commercial vessels re-routing to avoid the tense waters around Karachi.The Indian armed forces launched Operation Sindoor on May 7 to avenge the Pahalgam attack where 26 people - mostly tourists – were killed. Subsequently, the two countries were involved in military actions against each other. Defence Minister Rajnath Singh told an all-party meeting on May 8 that at least 100 hardcore terrorists and their associates were killed in Indian strikes on terror sites in Pakistan and Pakistan-occupied-Kashmir (PoK) under the ongoing Operation Sindoor. The two neighbouring countries reached an understanding for ceasefire on May 10.

BSF Soldier, Detained By Pakistan Rangers On April 23, Handed Over To India

New Delhi. Purnam Kumar Shaw, a Border Security Force (BSF) personnel detained by Pakistan Rangers after he inadvertently crossed the International Border last month, was handed over to Indian authorities at the check post in Attari today."Today BSF Jawan Purnam Kumar Shaw, who had been in the custody of Pakistan Rangers since 23 April 2025, was handed over to India at about 1030 hours through the Joint Check Post Attari, Amritsar. The handover was conducted peacefully and in accordance with established protocols," the Border Security Force said in a statement.The 40-year-old BSF man, posted in Punjab's Firozpur, crossed the border inadvertently on April 23, a day after the heinous terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam left 26 innocents dead. The terror attack led to heightened tension on the border and his return was delayed.BSF is tasked with guarding the 3,323-km India-Pakistan border, from Jammu and Kashmir to Gujarat. Incidents of BSF personnel crossing over mistakenly during patrols are common and are usually sorted out through a flag meeting. Due to tensions on the border, Pakistan had not been responding to requests for such a meeting for Mr Shaw's release, officials had said. "Pakistan is not responding because of ongoing tension after the Pahalgam attack, but we have lodged our protest with the Pak Rangers and are making all efforts to bring back the jawan," an officer said, according to an ANI report.

Purnam Kumar Shaw was in his uniform and carrying his service rifle when he crossed into Pakistan. The 40-year-old has been with the BSF for 17 years now. He is from West Bengal's Hooghly.Days after he was detained in Pakistan, Mr Sahu's pregnant wife Rajani, his seven-year-old son and other family members flew to Chandigarh.

Global Community Recognises Pak As "Epicentre Of Terrorism": India

The Ministry of External Affairs spokesperson, Randhir Jaiswal, said that numerous foreign leaders have acknowledged India's right to defend itself and protect its citizens, emphasising that the epicentre of terrorism is in Pakistan.

New Delhi. The Ministry of External Affairs spokesperson, Randhir Jaiswal, on Tuesday stated that the global community has shown a clear understanding of India's plight and recognised that the Pahalgam terrorist attack targeted Indian tourists and that the epicentre of terrorism lies across the border in Pakistan.

He said that numerous foreign leaders have acknowledged India's right to defend itself and protect its citizens, emphasising that the epicentre of terrorism is in Pakistan.While addressing a question of India and Pakistan 'hyphenation,' Mr Jaiswal, while addressing the MEA briefing, said, "There is widespread understanding in the world that Indian tourists were the victims of terrorism at Pahalgam and that the epicentre of terrorism is across the border in Pakistan. A number of foreign leaders, in their conversations with Indian counterparts, recognised India's right to defend itself and protect its people."

He added, "I also draw your attention to the UN Security Council press statement of 25th April, which states that - 'there is a need to uphold perpetrators, organisers, financiers and sponsors of this reprehensible act of terrorism accountable and bring them to justice.' They further stressed that those responsible for these killings should be held accountable."

Mr Jaiswal also spoke about the abeyance of the Indus Water Treaty (IWT) and highlighted that while the treaty was originally founded on the principles of goodwill and friendship, "Pakistan held these principles in abeyance by its promotion of cross-border terrorism."

"After the CCS (Cabinet Committee on Security) decision, the Indus Water Treaty has been put in abeyance. I would also like to take you back a little. The IWT was concluded in the spirit of goodwill and friendship as specified in the preamble of the treaty. However, Pakistan has held these principles in abeyance by its promotion of cross-border terrorism for several decades now. Now, as per the CCS decision, India will keep the treaty in abeyance until Pakistan credibly and irrevocably abjures its support for cross-border terrorism. Please note that climate change, demographic shifts and technological changes have created new realities on the ground as well," Mr Jaiswal said.Mr Jaiswal, during the press briefing, also stated that Pakistan's attempt to escape the consequences of its actions is futile, given its long history of supporting terrorism. He highlighted that the terrorist infrastructure sites destroyed by India were responsible for the deaths of not only Indians but also many other innocents around the world.

NEWS BOX

Leo XIV's First Instagram Post From Official Pope Account. What He Said

Pope Leo XIV made his social media debut on Tuesday (May 13), with a first Instagram post, featuring photos from the first days of his pontificate. He borrowed words from his first public address at the Urbi et Orbi after his election on May 8, and wrote: "Peace be with you all!""This is the first greeting spoken by the Risen Christ, the Good Shepherd. I would like this greeting of peace to resound in your hearts, in your families, and among all people, wherever they may be, in every nation and throughout the world," he added.Pope Leo XIV has chosen "to maintain an active social media presence through the official papal accounts on X and Instagram," according to a press release from the Dicastery for Communication on Tuesday.

The late Pope Francis maintained an active presence on social media platforms - Instagram and X (formerly Twitter), sharing excerpts from his speeches and images from public events.These posts offered "near-daily accompaniment throughout Pope Francis' pontificate with short messages of an evangelical nature and exhortations in favor of peace, social justice, and care for creation", said the press release.Pope Francis' posts will be archived in a special section of the Holy See's institutional website.

Pope Benedict XVI was the first Pope to open a social media account, sending the first papal tweet on December 12, 2012.Chicago-born Robert Francis Prevost is the first American pope in history, but is considered as much a cardinal from Latin America because of the many years he spent as a missionary in Peru.Robert Francis, 69, chose his papal name with the help of artificial intelligence (AI). He also said that his name references Pope Leo XIII, who presided over the church at the dawn of the industrial revolution."I chose to take the name Leo XIV. There are different reasons for this, but mainly because Pope Leo XIII in his historic Encyclical Rerum Novarum addressed the social question in the context of the first great industrial revolution," said the pope, according to the Vatican's translation of his speech.

Armed Gang Tries To Kidnap Crypto CEO's Daughter, Grandson In Paris

Paris. The daughter and grandson of a French cryptocurrency entrepreneur narrowly escaped a kidnap attempt by armed men in Paris on Tuesday in the latest attack on a crypto trader in the French capital, police said.Four masked men attacked a couple and their child in the French capital's 11th district, police sources told AFP. All three suffered light injuries and were taken to hospital.According to video footage, three masked men jumped out of a van and tried to force the woman and her child into the vehicle, the sources said. They beat the woman's partner who tried to intervene.The woman resisted, grabbing one of the attackers' handguns and throwing it away, police said, and the screams of the victims eventually attracted passers-by.The attackers fled in a van which was found closeby.

The woman is the daughter of the CEO and co-founder of Paymium, a French cryptocurrency exchange platform.Tuesday's events follow the abduction in January of a French crypto boss David Balland and his partner.Balland, co-founder of the Ledger crypto firm, had his finger cut off by the kidnappers.At least nine suspects have since been detained, including the alleged mastermind.In May, attackers kidnapped a man to force his crypto-millionaire son to pay a ransom. Police arrested seven people after a raid to free the man.

Menendez Brothers, Jailed For Killing Parents, Resentenced

United States. Lyle and Erik Menendez, who have spent more than three decades behind bars for the grisly shotgun murders of their parents in the family's luxury Beverly Hills home, could soon walk free after a judge on Tuesday reduced their life sentences.The ruling came after an emotional court hearing in Los Angeles during which the men took full responsibility for the 1989 double killing."I do believe they've done enough over the last 35 years that one day they should get that chance" to be freed, Judge Michael Jesic said, delivering a ruling that makes the men eligible for parole.Jesic reduced the men's original sentences of life without the possibility of parole, to a term of 50 years to life. The time they have already spent behind bars means they are already eligible to apply for parole, with a hearing scheduled for next month.

The pair have spent two years trying to get their sentences reduced, with a public campaign bolstered by celebrity support from the likes of Kim Kardashian and supercharged by the hit Netflix miniseries "Monsters: The Lyle and Erik Menendez Story."

Blockbuster trials in the 1990s heard how the men killed Jose and Kitty Menendez in their Beverly Hills mansion, in what prosecutors said was a cynical attempt to get their hands on a large family fortune.

After setting up alibis and trying to cover their tracks, the men shot Jose Menendez five times with shotguns, including in the kneecaps.Kitty Menendez died from a shotgun blast as she tried desperately to crawl away from her killers.The brothers initially blamed the deaths on a mafia hit, but changed their story several times in the ensuing months.Erik, then 18, confessed to the murders in a session with his therapist, and the pair ultimately claimed they had acted in self-defense after years of emotional and sexual abuse at the hands of a tyrannical father.On Tuesday, Lyle Menendez, now aged 57, addressed the court via videolink, admitting he had murdered his parents.

"I killed my mom and dad. I make no excuses. I take full responsibility," he said, according to reporters who were in court.His brother, Erik, 54, told the court he had been wrong to take the law into his own hands and said his actions were cruel and cowardly.

"I have no excuse, no justification. I take full responsibility," he said. "I reached out to my brother for help and convinced him that we couldn't escape.

China, US Slash Sweeping Tariffs On Each Other, But Is The Trade War Over

Washington. After days of high-level negotiations, the trade standoff between the United States and China temporarily paused on Wednesday, with two of the world's largest economies slashing sweeping tariffs on each others' goods for 90 days. Washington and Beijing had agreed this week to pause the brutal trade war that has roiled global markets and international supply chains.

As part of the negotiations in Geneva, the United States has agreed to lower its tariffs on Chinese goods to 30 per cent while China is reducing its own to 10 per cent -- down by over 100 percentage points. The lower duties came into effect just after midnight in Washington on Wednesday, a major de-escalation in trade tensions that saw US tariffs on Chinese imports soar to up to 145 per cent, to which China responded with 125 per cent tariffs on US imports.Trump On Trade Deal With China A Day before the temporary truce came into effect, US President Donald Trump on Tuesday said Washington now has a blueprint for a "very, very strong" trade deal with China that would see Beijing's economy "open up" to US businesses.

"We have the confines of a very, very strong deal with China. But the most exciting part of the deal...that's the opening up of China to US business...One of the things I think that could be most exciting for us and also for China is that we're trying to open up China," he said in an interview with Fox News.This came after both nations held successful negotiations over the weekend in Switzerland's capital to find a way out of the impasse.

US-China Trade War

Trump had upended international commerce with his sweeping tariffs across economies, wiping billions off equities and with businesses ailing. China was hit hardest by Trump's economic offensive. However, unwilling to budge, Beijing had responded with retaliatory levies that brought tariffs on both sides well over 100 per cent.Trump's rollercoaster tariff row with Beijing has become a problem for US companies that rely on Chinese manufacturing, with a temporary de-escalation only expected to partially calm the storm.

And Beijing officials have admitted that China's economy -- already ailing from a protracted property crisis and sluggish consumer spending -- is likewise being affected by the trade uncertainty.

Trade War Not Over

Despite de-escalation in tensions, the deep sources of tension between the two global superpowers--the fentanyl issue-- remain. This resulted in the US additional tariff rate being higher than China's because it includes a 20 per cent levy over Trump's complaints about Chinese exports of chemicals used to make the drug.

Washington has long accused Beijing of turning a blind eye to the fentanyl trade, something China denies. And while the US said it sees room for progress on the issue, Beijing on Tuesday warned Washington to "stop smearing and shifting blame" onto it.

Analysts, meanwhile, warned that the possibility of tariffs coming back into force after 90 days simply piles on more uncertainty."Further tariff reductions will be difficult and the risk of renewed escalation persists," Yue Su, Principal Economist at The Economist Intelligence Unit, told AFP.

"Can't Put A Price On Creativity, But Can Tariff It": Robert De Niro Slams Trump

Hollywood icon Robert De Niro called on "everyone who cares about liberty" to protest against Donald Trump.

Cannes, France. Hollywood icon Robert De Niro lambasted "philistine" US President Donald Trump on Tuesday and his proposed film tariff at the Cannes Film Festival's opening ceremony, where he used his lifetime achievement award speech to call for protests.

The 81-year-old actor shared the stage at the plush Grand Theatre Lumiere with fellow Oscar-winning superstars like Halle Berry, Juliette Binoche and Quentin Tarantino to accept the award from longtime collaborator Leonardo DiCaprio.Trump "has cut funding and support to the arts, humanities and education. And now he has announced the 100% tariff on films produced outside the US," said De Niro, known for films like "Taxi Driver", "Raging Bull" and more recently "Killers of the Flower Moon.""You can't put a price

on creativity, but apparently, you can put a tariff on it," said De Niro, who called on "everyone who cares about liberty" to protest against Trump.

Organisers stress that they want to avoid politics and focus on the films, but this year's inclusion of movies from Gaza, Ukraine and Iran, as well as Trump's tariff announcement shortly before the festival, has put more focus on the world outside Cannes.Binoche, the head of this year's jury, used her speech to pay tribute to Palestinian photojournalist Fatma Hassona, who was killed in an Israeli airstrike in Gaza and is the subject of a documentary to be shown at Cannes.

Officially Open

Tarantino, the US director who launched his career at Cannes, officially opened the festival, which now runs until May 24, with a mic drop before audiences settled in for the opening film, French comedy "Leave One Day."

US actor Eva Longoria, Japanese director Hirokazu Kore-eda and US director Sean Baker - who won the festival's top Palme d'Or prize last year for "Anora" - were seen on the red carpet ahead of the festival.

German model Heidi Klum wore a pink flower petal-esque gown that trailed quite a ways behind her - but apparently not long enough to have her denied entry onto the red carpet after organisers changed the dress code recently to ban nudity and over-the-top trains.Berry, who is also on this year's jury, was wearing a black-and-white gown without a train on the red carpet after she said earlier on Tuesday that she had to switch her outfit choice last minute due to the updated dress code.

4 Ex-Military Friends Plan To Climb Everest In A Week Using Anaesthetic Gas

world. It usually takes six to eight weeks to climb Mount Everest, but four ex-military friends are planning to accomplish it in a week. It sounds impossible, but they hope to summit the 8,849-metre peak with the help of noble gas xenon 10.Lukas Furtenbach, CEO of Furtenbach Adventures, said, "Before you can go to climb Mount Everest, you need to adapt your body to the low levels of oxygen." Xenon is sometimes used as an anaesthetic, he mentioned.He explained that before trekking to the base camp, you need to do several rotations on the mountain. It means going up and down several times to make your body used to the high altitude.

After weeks of acclimatising, your body is ready to make more red blood cells to carry oxygen better, and then you can attempt to reach the top.The four men will fly from the UK to Kathmandu and will take a helicopter straight to the base camp. They will then try to summit the mountain, and if they succeed, it will be the first time anyone has done it this quickly, according to CNN.

"One side effect of using Xenon is that it triggers the body's EPO production, and that results in an increase of red blood cells in the blood - and that's the same effect that you have when you are acclimatising at real altitude," Mr Furtenbach told CNN.

Mr Furtenbach's primary objective with this approach is to enable climbers to reach the summit quickly, hence

decreasing the possibility of being stranded in adverse weather conditions, avalanches, or becoming sick, BBC reported.The UIAA (International Climbing and Mountaineering Federation) cautioned that xenon should be treated as a medication since it is an anaesthetic and that using it in an unmonitored situation may cause "impaired brain function, respiratory compromise, and even death."It added that the World Anti-Doping Agency (WADA) has prohibited the substance since 2014.Al Carns, a British lawmaker, said he was comfortable with the risks, as were the other members of the team, Garth Miller, Kevin Godlington, and Anthony Stazicker, who have also had careers in the armed services.He stated, "We're all from a military background, very specialised elements in the military. Our whole careers have been built around the ability to balance risk, to take risk and mitigate it in the most effective ways."He explained, "Xenon is only one small section of it that probably enhances our ability by five or 10 per cent and particularly reduces the chances of high altitude sickness or oedema, which are the big things that will catch us out."

Who Is Anita Anand, Canada's New Indian-Origin Foreign Minister

Ottawa. Canadian politician Anita Anand has been sworn in as Canada's new foreign minister in a major Cabinet reshuffle by Prime Minister Mark Carney. Indian-origin Anand, who has previously served in roles including Canada's Defence Minister, has replaced Melanie Joly, who had been moved to the role of Minister of Industry. A senior member of Canada's Liberal Party, the 58-year-old politician took the oath of office with her hand on the Hindu scripture Bhagavad Gita, a tradition she had followed in previous Cabinet appointments as well.

The reshuffle comes as Prime Minister Carney rebuilds his newly elected Liberal cabinet, which includes 28 ministers. He also introduced secretaries of state, with an aim of showing a fresh start from the Justin Trudeau era. The cabinet balances experience and diversity, with women making up half of the government. Mr Carney said the Cabinet was chosen to "deliver the change Canadians want and need," amid tense Canada-US relations.After being sworn in to her new role, Ms Anand took to X and wrote, "I am honoured to be named Canada's Minister of Foreign Affairs. I look forward to working with Prime Minister Mark Carney and our team to build a safer, fairer world and deliver for Canadians."I am honoured to be named Canada's Minister of Foreign Affairs. I look forward to working with Prime Minister Mark Carney and our team to build a safer, fairer world and

Ms Anand represents the Oakville East riding in the House of Commons after winning the 2025 federal election. She has previously represented the Oakville riding in the House of Commons from 2019 to 2025 and held several key portfolios, including Minister of Public Services and Procurement, Minister of National Defence, Transport and Internal Trade and President of the Treasury Board. Ms Anand was born on May 20, 1967, in Kentville, Nova Scotia, to Indian immigrant doctor parents, Saroj D Ram and SV Anand--who moved to Canada from India in the early 1960s. Her mother is from Punjab, and her father is from Tamil Nadu. She has two sisters, Gita and Sonia.

In 1985, when she was 18, Ms Anand moved to Ontario, where she pursued an academic degree in political science and later completed a Bachelor of Arts (Honours) in Jurisprudence from Oxford University. She followed that up with a bachelor's and a master's degree in law from Dalhousie University and the University of Toronto, respectively, and over the years.

In Saudi Arabia, Trump Sends Message To World: Make Deals, Forget Past

Donald Trump rejected notions of nation-building and pressure on human rights that other US presidents once championed.

world. President Donald Trump sent a message to the world in Saudi Arabia: make business deals and the US won't meddle in your affairs.Trump, on the first overseas visit of his second term, praised the country's leadership for its modernization push and said Iran, Lebanon and Syria all had the opportunity for a brighter future. The Middle East would be "defined by commerce, not chaos," he said.

Fulfilling the wishes of many of his MAGA base, Trump rejected notions of nation-building and pressure on human rights that other US presidents once championed. Of Crown Prince Mohammed bin Salman, Trump said, "I like him a lot - I like him too much."While Trump has signaled that world view starting in his first term, the speech on Tuesday laid out his vision in the clearest terms yet after campaign promises to end "forever wars" like the conflicts in Iraq and Afghanistan."The so-called nation builders wrecked far more nations than they built and the interventionists were intervening in complex societies that they did not even understand themselves," Trump said. "In recent years, far too many American presidents have been afflicted with the notion that it's our job to look into the souls of foreign leaders and use US policy to dispense justice for their sins."It fit with his broader willingness - staked out during his first term as well - to deepen relationships with leaders and political movements past US leaders had been more wary of, such as a closer partnership with El Salvador's Nayib Bukele.The speech also underscores how Trump has flipped the script on the traditional US approach. While he's de-emphasizing rights in

nations like Saudi Arabia, Iran or Syria, his administration has criticized traditional ally Germany over its treatment of the far-right Alternative for Germany party, and accepted white Afrikaners from another partner, South Africa, over what he's called a "genocide" of farmers there.

"I think what's iconoclastic about Trump is that he doesn't really even pay lip service to these ideals in general," said Stephen Pomper, chief of policy at the International Crisis Group and a National Security Council official under former President Barack Obama. "He's waved them away."

Successive administrations have wrestled with the role of Saudi Arabia and other Middle East nations with poor human rights records. Among them was former President Joe Biden, who backtracked from his characterization of bin Salman as a "pariah" for the killing of Washington Post columnist Jamal Khashoggi at the Saudi consulate in Istanbul, Turkey.

Biden later abandoned his early-administration view that the defining battle of the world was one of democracies versus autocracies. Trump's team has taken that a step farther, slashing foreign aid and proposing a State Department revamp that would downgrade the office that oversees democracy and human rights."President Trump is a peacemaker, he's a dealmaker and he's constantly putting Americans first," State Department deputy spokesman Tommy Pigott said in response to questions about Trump's approach. "When we approach foreign policy and the standards, we're approaching that American First perspective that allows opportunities to pursue common interests.

NEWS BOX

Inside the battle for pickleball: Arvind Ramesh Prabhoo calls for national recognition

Pickleball, a sport still finding its footing in India, has become the center of a dispute after the Ministry of Youth Affairs and Sports (MYAS) granted national federation status to the newly formed Indian Pickleball Association (IPA). The decision, made on April 25, gives IPA the authority to regulate and promote the sport nationwide, alongside financial backing. However, this has sparked protests from the All India Pickleball Association (AIPA), which has been at the forefront of pickleball's growth in India for nearly two decades.Established in 2007, AIPA has a deep-rooted presence in 24 states and believes its long-standing contributions to the sport should have earned it the coveted NSF status. The decision to award this recognition to IPA, formed in November 2024 and with only a few months of history, has raised questions of fairness and transparency.AIPA argues that MYAS's recognition of IPA undermines years of work and dedication to the sport's development. AIPA insists it has laid a solid foundation and, with its track record, should have been the rightful recipient of the recognition.

AIPA'S CONCERNS ABOUT FAIRNESS AND DUE PROCESSIn an exclusive conversation with Indiatoday.in, AIPA President Arvind Ramesh Prabhoo expressed his dissatisfaction with the MYAS decision,

describing the recognition of IPA as both premature and unjust. According to Prabhoo, AIPA has laid a solid foundation for the sport in India and should have been acknowledged for its consistent, long-term efforts.

"AIPA was established in 2008, and over the years, we have worked tirelessly to introduce, nurture, and expand pickleball across India," Prabhoo explained. "We are actively involved in 24 states through our grassroots programs and have been affiliated with the International Pickleball Federation (IPF) since 2015. We have also been a founding member of the Asia Federation of Pickleball since 2020. Yet despite all this, the recognition went to IPA, a body formed just in November 2024 with little history or substantial contributions to the sport," he added, raising concerns about the process behind the decision.

EXPLAINED: Why IPL 2025 Final Will Likely Move From Kolkata

The IPL 2025 final is likely to be moved from Kolkata due to potential weather disruptions and the early arrival of the Southwest monsoon.

New Delhi. The excitement surrounding the 2025 Indian Premier League (IPL) is set to resume on May 17 after a brief suspension, but fans are in for a major surprise: Kolkata's Eden Gardens, a historic venue for IPL playoffs, will not be hosting the coveted final. Due to unforeseen circumstances and logistical concerns, including weather disruptions, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) has decided to relocate the playoffs and final to other venues, with Ahmedabad's Narendra Modi Stadium emerging as a frontrunner.Following a pause due to cross-border tensions, the IPL will restart with the remaining league-stage games, which will be played across six venues: Delhi, Jaipur, Lucknow, Ahmedabad, Mumbai, and Bengaluru. However, in a surprising move, the playoffs and final—originally slated for Kolkata's Eden Gardens—have been rescheduled to a later date, with the final now set for June 3 instead of May 25. This marks a significant change in what many fans anticipated as the grand culmination of the IPL season.Kolkata's Eden Gardens has long been a premier venue for IPL playoffs, but this year, unforeseen weather patterns and logistical challenges have led the BCCI to reconsider its options. The early onset of the Southwest monsoon, which is expected to bring rains and thunderstorms to Kolkata by the first week of June, has raised serious concerns. AccuWeather forecasts a 65% chance of precipitation on June 3, the day of the final, making it a risky proposition to host such a marquee event.

According to the India Meteorological Department (IMD), the monsoon's advance into the southern Bay of Bengal is expected to affect Kolkata and the entire West Bengal region earlier than initially predicted. This, combined with potential disruptions to the IPL schedule, has led to the decision to move the final to a more weather-resilient venue.

What Does This Mean for the Playoffs?

In addition to the rescheduling of the final, the BCCI has also decided to shift the venues for the IPL 2025 playoffs. Initially, Kolkata was set to host both Qualifier 1 and the final, while Hyderabad was earmarked for Qualifier 2 and the Eliminator. However, due to similar weather concerns, even Hyderabad has been relieved of its playoff duties.Reports suggest that Ahmedabad's Narendra Modi Stadium is the most likely candidate to host the rescheduled IPL 2025 Qualifier 2 and final. With only a 30% chance of rain in Ahmedabad on June 3, it stands as a much safer alternative compared to Kolkata. The shift to Ahmedabad offers a promising venue with a large capacity and a track record of hosting high-profile matches.

Weather Concerns and Logistical Challenges: The Key Reasons for the Shift

The decision to move the final out of Kolkata is not solely based on weather predictions but also on the logistical challenges involved in ensuring a smooth conclusion to a delayed IPL season. With the Southwest monsoon arriving earlier than anticipated, the risk of a washout looms large, especially given the importance of the final. The last thing the IPL organizers want is a repeat of the 2015 final, where weather conditions caused a significant disruption.As the BCCI works to finalize the new venues for the playoffs, they are carefully monitoring weather reports to make an informed decision. Although Ahmedabad is the top contender, the possibility of other venues hosting the games remains on the table.Will Ahmedabad Host the IPL 2025 Final?While the IPL organizers are keeping their options open, Ahmedabad's Narendra Modi Stadium is leading the race to host the IPL 2025 final. The massive stadium, with its state-of-the-art facilities and vast seating capacity.

WPL history maker ruled out of West Indies' limited overs tour of England

West Indies all-rounder Chinelle Henry missed out on the tour of England after he failed to recover from a leg injury. The visitors called up Realeanna Grimmond and Jahzara Claxton.

New Delhi. West Indies all-rounder Chinelle Henry has been ruled out of the upcoming limited-overs tour of England. The 29-year-old, who holds the record for the joint-fastest fifty in the Women's Premier League (WPL) off 18 balls, failed to recover from a leg injury.4Henry scored 171 runs from five innings in the Women's ODI World Cup Qualifiers in Pakistan, striking at 150. 28-year-old wicketkeeper Rashada Willams

has also been left out. The visitors have called upon Realeanna Grimmond and Jahzara Claxton.Deandra Dottin also couldn't recover in time from the knee injury she sustained while playing for the Gujarat Giants in the WPL.West Indies head coach Shane Dietz looked forward to facing England, and re-establishing themselves as a world-class team.

"Going to England is a fantastic opportunity to play one of the best teams in the world for a long time and to really test our skills and put in practice what we've talked about off the pitch," Dietz was quoted as saying on ESPNcricinfo."We brought a good team to England, and we're looking forward to putting on a good performance for the crowd over there and all our supporters watching back in the Caribbean. It's going to be an excellent tour for us to reestablish ourselves as a world-class team with world-class players," Dietz added.West Indies will play three T20Is from May 21 to 26 before playing a three-match ODI series on May 30, June 4 and June 7.

West Indies are looking to rebuild after they failed to qualify for the ODI World Cup to be held on Indian soil.

Anil Kumble names ideal contender for Virat Kohli's no 4 spot in Test squad

New Delhi. Legendary India spinner Anil Kumble has revealed the ideal contender for Virat Kohli's number four position in Test cricket, suggesting Karun Nair's name. Kohli's sudden retirement ahead of the all-important tour of England has left a gaping hole in the Indian Test squad, which India must fill for the crucial series.As the team management begins searching for Kohli's replacement, Kumble named Karun Nair to fill in the massive shoes, mentioning his success in the domestic season. He also stated that since Nair has the experience of playing in England, having plied his trade for Northamptonshire in County Cricket."Karun deserves to come back into the Indian team with the kind of domestic run he has had. So perhaps he could be the No.4 for India because I feel, you need a bit of experience. You ned someone in England

who has been there and done that. He has played County cricket, so he knows the conditions. Karun may be on the other side of 30, but he is still young. If he gets an opportunity, there will be a lot more hope for youngsters to play first-class cricket. If the sheer performance in domestic cricket doesn't get recognised, it becomes a bit of a challenge," Kumble told ESPNCricinfo.Nair was in the form of his life as he enjoyed a prolific run in the domestic season. He played a pivotal role in Vidarbha's triumph in the Ranji Trophy 2024-25, being the fourth-highest run scorer of the season. He accumulated 863 runs from 16 innings at an average of 53.93, registering four hundreds and two fifties.

Nair likely to be picked in India A squadEarlier, he played an integral part in his team's run to the final of the Vijay Hazare Trophy 2024-25, being the highest run scorer of the tournament. The 33-year-old scored 779 runs from eight innings at a mind-boggling average of 389.50 and a strike rate of 124.04 with five hundreds and one fifty.

No dancing girls, no DJ: Sunil Gavaskar urges BCCI to hold remainder of IPL 2025 quietly

New Delhi. Legendary India cricketer Sunil Gavaskar has urged the BCCI (Board of Control for Cricket in India) to hold the remainder of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) in a quiet manner. The IPL 2025 is all set to resume from May 17 with Match 58 between Royal Challengers Bengaluru (RCB) and Kolkata Knight Riders (KKR).

As the preparation for the restart of the IPL begins, Gavaskar has requested the BCCI to host it without loud music and DJ as several families have lost their near and dear ones amid the rising border tensions between India and Pakistan.What I would really like to see is. These are the last few matches, we have had about 60 games or thereabouts. I think it is the last 15 or 16 games. I would sincerely hope, because of what has

happened and some families have lost their near and dear ones, I would like that there is no music. Let's not have the DJS screaming in the middle of an over," Gavaskar told Sports Today.Furthermore, Gavaskar mentioned that it's essential to respect the sentiments of the families, who've lost their loved ones."None of that. Let the games be played. Let the crowds come in. Let's just have a tournament, the balance of a tournament. It's just no dancing girls, nothing. Just cricket would be a really nice way to respect the sentiment of the families who have lost their near and dear ones," he added.The IPL 2025 was suspended for a week after Pakistan attacked several parts of north India during Match 58 between Punjab Kings (PBKS) and Delhi Capitals (DC) in Dharamsala.

Jannik Sinner equals historic feat after pre-quarters win in Italian Open 2025

Italian Open 2025: Jannik Sinner made his way through to the quarters in Rome after beating Argentina's Francisco Cerundolo 7-6 (7-2), 6-3 on Tuesday at Centre Court.

New Delhi. Jannik Sinner advanced to the quarterfinal of the Italian Open 2025 with a dominating performance against Francisco Cerundolo. On Tuesday, May 13, Sinner took two hours and 17 minutes to beat his Argentine opponent 7-6 (7-2), 6-3 on Centre Court.With the win, the 23-year-old Sinner became the joint-fastest to the

landmark of 53 tour-level wins as World No.1 in the history of the sport. Sinner, Jimmy Connors and Bjorn Borg reached the milestone in 53 matches each.ALet's see how I wake up. I know it'll be a longer evening for me. I have to do many things. Trying to recover in the best possible way. But exactly as I said, I need this. I'm happy to be back. I was out for 3 months. Every situation for me, I feel fortunate to be here. I'm very lucky. Then we will see. Whatever comes out comes out," Sinner said.

Just tried to stay there mentally'

Sinner also lauded Cerundolo as a tough competitor, saying that he couldn't have afforded to be complacent."He's a very tough competitor. Obviously a great challenge for me. Especially now in this moment, trying to get used to so many difficult situations on the court. I was up a break in the first set. Then when he broke me back, I just tried to stay there mentally and play every point. I knew at 5-1 I had to be very careful. Things can change quickly," Sinner added.

In the quarterfinal, Sinner will lock horns with the winner of the match between Spain's Jaume Munar and Casper Ruud, who's fresh from winning his maiden ATP 1000 Masters title in Madrid.

IPL 2025: WTC Final-bound South Africa players likely to miss playoffs

South African cricketers, who are a part of the World Test Championship Final against Australia, are most likely to miss the playoffs in the Indian Premier League 2025.

New Delhi. South African players who have been picked for the World Test Championship Final against Australia are likely to miss the IPL playoffs as the country's cricket board is standing firm on prioritising national duty over league commitments.The BCCI confirmed on Monday that the IPL will resume on May 17 with the final slated for June 3.However, the revised schedule has left players from WTC finalists Australia and South Africa in a tight spot. The franchises and the BCCI have urged foreign boards to make their players available for the remainder of the tournament.CSA, however, has reiterated its commitment to WTC Final preparations."It is an individual decision, obviously, to return or to play or continue," CSA's director of national teams and high performance Enoch Nkwe said during press conference."One thing we've made clear, and we are finalising this with the IPL and the BCCI, is sticking to our original plan when it comes to the WTC preparations.""May 26 is the latest for the Tet guys to come back. The original plans don't change because the No. 1 priority is the WTC final. We've been engaging with them over the last day or two to make sure we're all on the same page," he added.Eight South African players -- Kagiso Rabada (Gujarat Titans), Lungi Ngidi (Royal Challengers Bengaluru), Tristan Stubbs (Delhi Capitals), Aiden Markram (Lucknow

Super Giants), Ryan Rickelton (Mumbai Indians), Corbin Bosch (MI), Marco Jansen (Punjab Kings) and Wiaan Mulder (Sunrisers Hyderabad) -- have been named in the Proteas squad for the WTC Final, scheduled to start from June 11 in London.Currently, GT, RCB, MI, PBKS, DC and LSG are in contention for an IPL playoff spot.South Africa head coach Shukri Conrad echoed CSA's stance.

"Our initial agreement with IPL-BCCI was, with the final being on the 25th, our players would return on the 26th, so that it allows them ample time before we fly out on the 30th. As it stands, we're not budging on this. We want our players back on the 26th," he said."That is the ongoing conversations that are being had between people in a higher pay grade than I am. They're dealing with that. We want our players back on the 26th and hopefully that comes to fruition."The IPL season was suspended on May 9 due to a military confrontation between India and Pakistan, triggered by the April 22 terrorist attack in Pahalgam, South Kashmir. A ceasefire announced the following day paved the way for the tournament's resumption.

'That pulse of tension...'

Alia Bhatt

pens emotional note for Indian soldiers amid Indo-Pak conflict

In her Instagram post, the 32-year-old Alia Bhatt said the past few nights felt different as everyone was anxious about what was happening at the border.

Bollywood star Alia Bhatt on Tuesday penned a heartfelt post for the Indian armed forces lauding their bravery amid heightened military conflict between India and Pakistan following Operation Sindoor. In her Instagram post, the 32-year-old actor said the past few nights felt different as everyone was anxious about what was happening at the border.

She also shed light on the emotional toll such moments take on the families of soldiers.

"There's a certain stillness in the air when a nation holds its breath. And over the past few days we've felt that stillness. That quiet anxiety. That pulse of tension that hums beneath every conversation, behind every news notification, around every dinner table," Alia wrote.

"We have felt the weight of knowing that somewhere, out there in the mountains, our soldiers are awake, alert, and in danger. While most of us are tucked into our homes, there are men and women standing in the dark, guarding our sleep with theirs. With their lives. And that reality… it does something to you," she added.

Behind every soldier is a mother who hasn't slept either, Alia further said while paying a tribute to "mothers who raised heroes".

"A mother who knows her child is facing a night not of lullabies, but of uncertainty. Of tension. Of silence that can shatter in an instant. On Sunday, we celebrated Mother's Day. And while flowers were being handed out and hugs were exchanged…" she added.

Alia also mourned the loss of lives during the recent conflict between the two countries.

"… soldiers who will never come home, whose names are now etched in the soul of this country. May their families find strength in the nation's gratitude. So tonight, and every night forward, we hope for less silence born of tension, and more silence born of peace.

"And send love to every parent out there holding prayers, holding back tears. Because your strength moves this nation more than you'll ever know. We stand together. For our protectors. For India. Jai Hind," she said.

Indian armed forces launched Operation Sindoor on the intervening night of May 6 and 7 to avenge the killings of 26 people in the Pahalgam terror attack. The strikes targeted nine terror sites in Pakistan and Pakistan-occupied Kashmir, killing over 100 terrorists. After four days of intense cross-border drone and missile strikes, New Delhi and Islamabad reached an understanding on May 10 to halt military actions.

Virat Kohli, Anushka Sharma Listen Closely to Premanand Maharaj's Message

Virat Kohli and Anushka Sharma visited Vrindavan a day after the cricketer announced his retirement from Test cricket. The couple visited Premanand Maharaj's ashram on Tuesday morning to seek blessings and guidance from him. An inside video that has surfaced on social media shows the couple attentively listening to Premanand Maharaj's message about devotion, humility, and inner transformation.The video that has been shared on social media shows Premanand Maharaj asking Anushka and Virat, 'Prasann ho? (Are you happy?)," to which the couple responds affirmatively. They are then seen respectfully listening to Premanand Maharaj's message focused on devotion and inner peace. The couple looks deeply engaged and attentive, as Premanand Maharaj shared that wealth and fame are not true signs of God's grace; rather, it is a spiritual transformation that truly reflects His blessings. The video of their conversation has gone viral on social media. Check it out below!

This is Kohli's third visit to the spiritual leader, following earlier meetings on January 4, 2023 and January 10, 2025. Meanwhile, minutes before announcing his retirement from Test cricket, Virat Kohli and Anushka Sharma were spotted by the paparazzi at the Mumbai Airport. They jetted off to Delhi from Mumbai.

Meanwhile, in his post announcing his retirement from Test cricket, Virat Kohli wrote, "It's been 14 years since I first wore the baggy blue in Test cricket. Honestly, I never imagined the journey this format would take me on. It's tested me, shaped me, and taught me lessons I'll carry for life.

There's something deeply personal about playing in whites. The quiet grind, the long days, the small moments that no one sees but that stay with you forever.""As I step away from this format, it's not easy — but it feels right. I've given it everything I had, and it's given me back so much more than I could've hoped for. I'm walking away with a heart full of gratitude — for the game, for the people I shared the field with, and for every single person who made me feel seen along the way. I'll always look back at my Test career with a smile," he concluded.

Please Don't Disturb Bipasha Basu. She Is Getting 'Pampered By Baby & Papa'

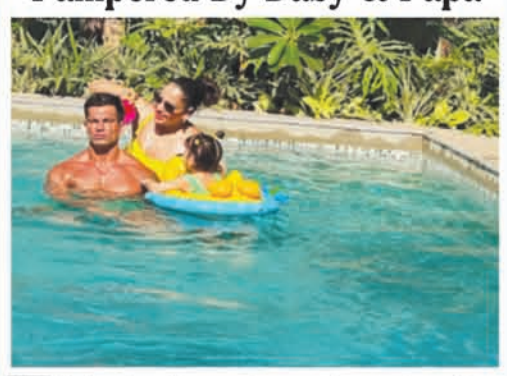

Bipasha Basu always keeps her fans hooked to her Instagram posts. The actress is known for sharing glimpses of her life on social media and recently gave fans a sneak peek inside her family's Mother's Day celebration. Bipasha shared how her husband, Karan Singh Grover, and daughter, Devi, pampered her on the special occasion.On Sunday, Bipasha posted a thread of pictures of herself sitting beside a windowpane surrounded by a huge bouquet of colourful flowers. The actress wrote in the caption, "Pampered by Baby & Papa."

From the pictures it was evident that her husband showered her with flowers and love on this special day. The bouquet consisted of various flowers, including different shades of pink and yellow roses and yellow gerbera daisies. In one of the snaps, Bipasha's daughter Devi was seen holding a yellow gerbera in her hand and showering her mother with petals. Bipasha was glowing with happiness in the images.

Previously, the actress had shared glimpses from her vacation in Goa with her husband and daughter. Fans gushed over the vacation photos, as all three of them were looking adorable in the candid shots. From Devi playing in the pool with Karan and Bipasha and to some quiet family time, the carousel of pictures captured every bit of their dreamy holiday escapade.

Bipasha and Karan were also seen celebrating their ninth marriage anniversary recently with their daughter. The couple was seen dancing with Devi and spending quality time together in a beautiful candlelit garden setup. Bipasha posted the video from their anniversary celebration with the caption, "The truth about love is that it's the only thing that's real." The couple were also seen cutting a monkey-themed cake with their daughter to celebrate the special occasion.Bipasha Basu and Karan Singh Grover met in 2014 while shooting for the film Alone. They tied the knot in 2016. The couple welcomed their daughter Devi in 2022.

RJ Mahvash

Says She's 'Dumb' In Love Amid Yuzvendra Chahal Rumours

'Standards Go Below...'

Social media star RJ Mahvash is taking her first steps into acting with the web series Pyaar Paisa Profit. She will be seen alongside Mihir Ahuja from The Archies, along with Ashish Raghav, Pratik Yadav, Shivangi Khedkar, and Neil Bhoopalam. While promoting the show, Mahvash spoke to Radio Nasha about her personal life. She shared that, like her character in the series, she sometimes makes the wrong choices when it comes to love. She also said that in real life, it's okay to be "a little dumb in love," and that falling for someone doesn't always require overthinking.

Drawing parallels between the series character and real life, she said, "Just like my character in the series, I am dumb in love, but I also avoid red flags. My standards go below my heels when I meet the person; before that, they're very high."

Mahvash sparked gossip columns when she was seen watching a match with cricketer Yuzvendra Chahal. The timing raised eyebrows, as Chahal was then in the middle of his separation from Dhanashree Verma, leading to whispers of a possible romance. Though both Mahvash and Chahal quickly shut down the dating rumours, insisting they were just good friends, the speculation didn't fully die down. It flared up again when Mahvash gave Chahal a shoutout on Instagram after his impressive IPL hat-trick, adding more fuel to the rumour mill. Taking to Instagram Stories, she wrote, "God mode on kyaaa? @yuzi_chahal23 strength of a warrior, sir (salute emoji)."

Chahal didn't miss the chance to support her publicly. Taking to his Instagram story, Chahal shared a poster of the show and wrote, "Congratulations @rj.mahvash proud of you." His gesture didn't go unnoticed by fans, especially amid ongoing rumours about their alleged relationship. The show, currently streaming on Amazon Prime Video and MX Player, also stars Neil Bhoopalam, Mihir Rajda and Shivangi Khedkar.